राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

08 महाराष्ट्र में मिशन 40 से गेम पलटने की तैयारी, हरियाणा की.....

एनाकोंडा रणनीति के सहारे ताइवान पर चीन कस रहा शिंकजा..... 08

वर्ष : 15 | अंक : 180 | नई दिल्ली, शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 08 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

समस्याओं का समाधान युद्ध नहीं: पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में संघर्षों का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं बल्कि संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करके किया जा सकता है। पीएम मोदी ने यह बात 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) के अपने संबोधन में कही। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, ग्लोबल साउथ के देश, दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव झेल रहे हैं। हर कोई जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली चाहता है, चाहे वह यूरेशिया हो या

पश्चिम एशिया। प्रधानमंत्री ने कहाः हमारा दृष्टिकोण विकासवादी होना चाहिए न कि विस्तारवादी। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी पहले ऐसे नेता हैं जिन्हें मेजबान और इनकमिग चेयर के बाद पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए कहा गया। आसियान में भारत की भूमिका और महत्व को मान्यता देते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया। वे वहां मौजूद एकमात्र ऐसे नेता थे, जिन्होंने सबसे अधिक संख्या में ईएएस (19 में से नौ) में भाग लिया था। टाइफून यागी के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ह्महमने ऑपरेशन सद्भाव के माध्यम से मानवीय मदद प्रदान की। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि दक्षिण चीन सागर की शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हित में है। समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के तहत समुद्री गतिविधियों की वकालत करते हुए उन्होंने एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता का सुझाव दिया जो क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर प्रतिबंध नहीं लगाए। म्यांमार की स्थिति पर उन्होंने कहा कि भारत म्यांमार की स्थिति के प्रति आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक पड़ोसी देश के रूप में, ह्महम अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करना जारी रखेंगे। उन्होंने लोकतंत्र को बहाल करने के लिए मानवीय सहायता और उचित कदम उठाने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए, अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने की भी मांग की। पीएम मोदी ने सम्मेलन में शामिल देशों को नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की जानकारी दी। साथ ही इन देशों को जून में नालंदा में आयोजित होने वाले उच्च शिक्षा प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। अगला पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन मलेशिया में आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

नोएल टाटा बने टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन

रतन टाटा के सौतेले भाई, अभी ट्रेंट और वोल्टास के प्रमुख हैं

नई दिल्ली। रतन टाटा के निधन के बाद ग्रुप के सबसे बड़े स्टेक होल्डर ह्यटाटा ट्रस्ट की कमान सौतेले भाई नोएल टाटा को मिल गई है। शुक्रवार को मुंबई में हुई मीटिंग में नोएल के नाम पर सहमति बनी है। नोएल टाटा अपने पारिवारिक संबंधों और ग्रुप की कई कंपनियों में भागीदारी के कारण टाटा की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत दावेदार थे। नोएल टाटा पहले से ही सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट, वोल्टास के चेयरमैन है नोएल नवल और सिमोन टाटा के बेटे नोएल ट्रेंट, वोल्टास, टाटा इन्वेस्टमेंट और टाटा इंटरनेशनल के चेयरमैन हैं। टाटा स्टील और टाइटन के वाइस चेयरमैन भी हैं।

यूपी सरकार ने अखिलेश को जेपी सेंटर जाने से रोका

सपा प्रमुख ने घर में लगी लोकनायक की मूर्ति पर माला चढ़ाई, कहा- नीतीश NDA से समर्थन वापस लें.....

अखिलेश जेपी सेंटर जाने की जिद पर अड़े है।

हंगामे के बीच अखिलेश के घर वार्ता करने जेसीपी कानून एवं व्यवस्था व अन्य अफसर पहुंचे हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

यूपी सरकार ने शुक्रवार को अखिलेश यादव को जेपी कन्वेशन सेंटर जाने से रोका तो सपा प्रमुख ने घर में लगी लोकनायक जय प्रकाश नारायण की मूर्ति पर माला चढ़ा दी। अखिलेश यादव ने कहा था कि वे जय प्रकाश नारायण नेशनल कन्वेशन सेंटर (JPNIC) में माल्यार्पण करेंगे। अखिलेश को रोकने के पीछे यूपी सरकार का तर्क था- बारिश के चलते JPNIC में जीव-जंतु हो सकते हैं, इसलिए माल्यार्पण करना सुरक्षित नहीं है। सरकार ने शुक्रवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव के घर के बाहर बैरिकेडिंग की, तार बिछाए और फोर्स तैनात कर दी। JPNIC के बाहर भी टीन की दीवार खड़ी कर दी गई। इसके बाद सपा कार्यकर्ता अखिलेश के घर में लगी मूर्ति सड़क पर ले आए। सपा प्रमुख घर से बाहर निकले और मूर्ति पर माल्यार्पण किया। उन्होंने जदयू चीफ

नीतीश कुमार से अपील की कि वे केंद्र की भाजपा सरकार से अपना समर्थन वापस ले लें।

माल्यार्पण के बाद अखिलेश बोले- यूपी की भाजपा सरकार विनाशकारी

अखिलेश ने कहा- यूपी सरकार JPNIC को बेचना चाहती है। पहले भी हमें माल्यार्पण से रोका गया। योगी लोकनायक का इतिहास नहीं जानते। हमें श्रद्धांजलि देने से रोका। यूपी सरकार हर अच्छे काम को रोकती है। ये गूंगी और बहरी सरकार है। ये विकास नहीं विनाश करने में माहिर है।

सपा ने पूछा था- क्या अखिलेश को हाउस अरेस्ट किया

यूपी सरकार और सपा के बीच टकराव गुरुवार रात शुरू हुआ, जब अखिलेश ने वीडियो पोस्ट किया, जिसमें JPNIC गेट पर टिन शेड की दीवार खड़ी करते हुए मजदूर दिखाई पड़े। अखिलेश ने पोस्ट में लिखा था- श्रद्धांजलि देने से रोकना सुसभ्य लोगों की निशानी नहीं है। शुक्रवार सुबह बैरिकेडिंग और फोर्स तैनात करने पर सपा ने सरकार से सवाल किया था- क्या ये हाउस अरेस्ट है।

जेपी पर दूसरी बार आमने-सामने सपा और यूपी सरकार

जय प्रकाश नारायण की जयंती पर अखिलेश और यूपी सरकार दूसरी बार आमने-सामने हैं। पिछले साल अखिलेश माल्यार्पण के लिए JPNIC का गेट कूदकर अंदर गए थे। JPNIC का निर्माण सपा सरकार ने 2013 में शुरू कराया था।

2017 में योगी सरकार आई तो निर्माण को लेकर जांच शुरू हो गई। इसके बाद से निर्माण अधूरा है। पब्लिक की एंट्री भी बंद है।

अखिलेश बोले- भाजपा के नेताओं के हाथ में विनाशकारी रेखा

माल्यार्पण के बाद अखिलेश यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। उन्होंने कहा- भाजपा के नेताओं के हाथ में विनाशकारी रेखा है।

भाजपा के लोग बहाना ले रहे हैं, वहां (JPNIC) पर बिच्छू दिखाई पड़ जाते हैं। अगर इतनी चिंता थी तो साफ सफाई क्यों नही कराई।

हैदराबाद के दुर्गा पंडाल में तोड़फोड देवी की मूर्ति का हाथ तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

हैदराबाद के नामपल्ली में कुछ लोगों ने दुर्गा पूजा पंडाल में तोड़फोड़ की। आरोपियों ने दुर्गा देवी का हाथ भी तोड़ दिया। घटना की जानकारी शुक्रवार सुबह लगी, जब आयोजक पूजा करने पहुंचे। आयोजकों ने बताया कि गुरुवार रात डांडिया कार्यक्रम होने तक पुलिस वहां मौजूद थी। घटना कितने बजे की है, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आ सकी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अज्ञात व्यक्तियों ने हुंडी (दान पेटी) को एक तरफ रख दिया, जिससे देवी दुर्गा की मूर्ति का हाथ गिर गया। देवी शरण नवरात्रि समारोह के हिस्से के रूप में एग्जीबिशन सोसाइटी के रहवासी और कर्मचारी हर साल देवी की मूर्ति बनाते हैं।

पहले बिजली काटी, फिर सीसीटीवी तोड़े

पुलिस और आयोजकों ने बताया कि आरोपियों ने पंडाल में घुसने से पहले वहां की बिजली काट दी। इसके बाद उन्होंने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। इससे घटना के समय का कोई भी फुटेज अभी सामने नहीं आ सका है। आरोपियों ने बैरिकेडिंग हटाई और पूजा का सामान फेंक दिया।

कोलकाता रेप-मर्डर, भूख हड़ताल कर रहा डॉक्टर गंभीर

बेहोश होने के बाद ऑक्सीजन लगाई गई, क्टअ ने ममता को लिखा- मांगों पर फौरन एक्शन लें

नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में 7 ट्रेनी डॉक्टर 6 अक्टूबर से अनशन पर बैठे हुए हैं। गुरुवार रात ट्रेनी डॉक्टर अनिकेत महतो की कंडीशन क्रिटिकल हो गई। अनिकेत को आरजी कर मेडिकल हॉस्पिटल में ही एडमिट किया गया।

आरजी कर की क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) इन्चार्ज डॉ. सोमा मुखोपाध्याय ने बताया कि अनिकेत को बेहोशी की हालत में हॉस्पिटल लाया गया था। डॉक्टर की हालत गंभीर है, उसे ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है। 5 डॉक्टरों की टीम उस पर नजर रखे है। एक जूनियर डॉक्टर देबाशीष हल्दर ने बताया कि भूख हड़ताल पर बैठा अनिकेत पिछले कुछ दिनों से पानी भी नहीं पी रहा था। 6 और जूनियर डॉक्टरों की सेहत में भी गिरावट हो रही है। जरूरत को देखते हुए हमने सारे इक्विपमेंट तैयार रखे हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी सीएम ममता

बनर्जी को लेटर लिखा है। जिसमें मांग की गई है कि वे राज्य सरकार डॉक्टरों की मांगों पर तुरंत एक्शन ले, शांतिपूर्ण माहौल और सुरक्षा कोई विलासिता नहीं है। हम अपील करते हैं, इस मुद्दे को सुलझाएं। आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मेडिकल कॉलेज में मिली थी। इसके अगले दिन से जूनियर डॉक्टरों ने 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन किया था। 9राज्य सरकार ने डॉक्टरों की मांगें नहीं मानी। जिसके चलते डॉक्टरों ने 5 अक्टूबर की शाम से भूख हड़ताल शुरू की। इसमें 9 डॉक्टर शामिल हैं, आज भूख हड़ताल का छठवां दिन है।

IMA बोला- बंगाल सरकार डॉक्टरों की सभी मांगों को मानने में सक्षम

अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के स्वास्थ्य को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के प्रेसिडेंट आरवी अशोकन ने चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेटर लिखा। इसमें कहा कि करीब एक हफ्ते से डॉक्टर आमरण अनशन कर रहे हैं। बंगाल सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। आप डॉक्टरों की सभी मांगों को मानने में सक्षम है। भूख हड़ताल पर बैठे डॉक्टरों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार शाम को 4 विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम को भूख हड़ताल वाली जगह पर भेजा था। टीम में मौजूद दीपेंद्र सरकार ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि चूंकि डॉक्टरों ने 5 दिन से कुछ नहीं खाया, इसलिए इनके हेल्थ पैरामीटर्स कम हो गए हैं। हम उनके माता-पिता की तरह हैं।

दिल्ली की सड़कों को ठीक करने की दिशा में सभी एजेंसीज ने जिस तरह मिलकर काम किया है वो सराहनीय है:सीएम आतिशी

आश्रम-डीएनडी लूप की क्षतिग्रस्त सड़क भी हुई रिपेयर,ट्रैफिक होगा सुगम

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली दिल्ली की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने और शहर में लोगों को बेहतर सड़कें देने के क्रम में मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन(डीएमआरसी) और नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) के अधिकारियों के साथ इन एजेंसीज के अंतर्गत दिल्ली में आने वाली सड़कों के रिपेयरिंग की समीक्षा बैठक की। बता दे कि, दिल्ली सरकार शहर में सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। इस क्रम में पूरी दिल्ली कैबिनेट और स्वयं मुख्यमंत्री आतिशी ने पिछले दिनों दिल्ली में पीडब्ल्यूडी की सड़कों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान ये भी पाया गया कि, शहर में कई सड़कें पीडब्ल्यूडी द्वारा दिल्ली मेट्रो और एनसीआरटीसी की भी हैंडओवर की गई है। और इनमें से कई सड़कों की हालत जर्जर है, जिसे मरम्मत की जरूरत है। ऐसे में मुख्यमंत्री आतिशी ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों इन एजेंसीज के साथ कोऑर्डिनेट करते हुए इनके अंतर्गत आने वाली जर्जर सड़कों का मरम्मत करवाने का निर्देश दिया था। आज की की समीक्षा बैठक में डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री आतिशी को अपने अंतर्गत आने वाली सड़कों के मरम्मत कार्य की प्रगति के विषय में अवगत करवाया। बैठक में डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने अपने अंतर्गत आने वाली सड़कों के मरम्मत कार्यों की प्रगति के विषय में साझा करते हुए बताया कि, पिछले सप्ताह भर में ज्यादातर सड़कों में पैचवर्क और पॉटहोल्स को भरने का काम पूरा हो चुका है। और अगले 2 सप्ताह के भीतर पैचवर्क और पॉटहोल्स को भरने का सारा काम पूरा हो जाएगा । बैठक में मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि, सरकार के रूप में हमारा प्राथमिकता दिल्ली के लोगों को बेहतर और सड़कें देना है। इस विजन को पूरा करने के लिए सभी एजेंसीज युद्धस्तर पर काम कर रही है और शहर की सड़कों को बेहतर बना रही है। उन्होंने कहा कि, पिछले दिनों हमनें निरीक्षण में पाया कि दिल्ली में कई सड़कें जर्जर हाल में है और जगह-जगह गड्ढे होने के कारण लोगों की यहां ट्रैफिक की समस्या का सामना करना पड़ता है। सीएम आतिशी ने कहा कि, सड़कों को ठीक करने की दिशा में सभी एजेंसीज ने जिस तरह मिलकर काम किया है वो सराहनीय है। और जिस तेजी से सड़कों को ठीक करने का काम हो रहा उससे उम्मीद है कि, अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में हम दीपावली तक सभी दिल्लीवालों को गड्ढामुक्त सड़कें देंगे। सीएम आतिशी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि, ₹दिल्ली की सड़कों को बेहतर बनाने की दिशा में एजेंसीज युद्धस्तर पर काम कर रही है। इस क्रम में आज डीएमआरसी और एनसीआरटीसी के अधिकारियों के साथ उनके अंतर्गत आने वाली सड़कों के रिपेयरिंग के काम की समीक्षा की। इन एजेंसीज के अंतर्गत आने वाले महरौली-बदरपुर रोड, वजीराबाद रोड, निजामुद्दीन स्टेशन रोड सहित अन्य प्रमुख सड़कें 2 सप्ताह के भीतर गड्ढामुक्त होंगी। अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में दीपावली तक दिल्लीवालों को गड्ढामुक्त सड़कें जरूर मिलेंगी। डीएमआरसी के अंतर्गत इन सड़कों की हुई मरम्मत 1. महरौली-बदरपुर रोड- ये सड़क दक्षिणी दिल्ली की बेहद महत्वपूर्ण सड़क है। और इसके दोनों और साकेत, संगम विहार, तुगलकाबाद एक्सटेंशन, खानपुर, पुष्प-विहार, दक्षिणपुरी, अम्बेडकर नगर, मदनगीर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र है। जहाँ से रोजाना लाखों लोग आवाजाही के लिए इस सड़क का इस्तेमाल करते है। यहाँ मेट्रो की गोल्डन लाइन का निर्माण कार्य जारी है। इस वजह से सड़क का 6.4 किमी का हिस्सा पीडब्ल्यूडी द्वारा मेट्रो को हैंडओवर किया गया है। मेट्रो के निर्माण कार्य और बरसात के दौरान जलजमाव होने से सड़क कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गई थी। आज समीक्षा बैठक में डीएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि, सड़क के बड़े हिस्से पर मरम्मत का काम पूरा कर दिया गया है और एक अन्य स्ट्रेच पर मरम्मत कार्य जारी है, जिसे 20 अक्टूबर तक पूरा कर दिया जाएगा। 2. वजीराबाद रोड- इस सड़क का गोकलपुरी से वजीराबाद पुल तक का हिस्सा पीडब्ल्यूडी द्वारा दिल्ली मेट्रो को हैंडओवर किया गया है। इस पूरी सड़क पर यमुना विहार और भजनपुरा में कई रोड स्ट्रेच बुरी तरह से क्षतिग्रस्त थे। विभाग के निदेर्शों के बाद मेट्रो द्वारा इस रोड पर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। और 15 अक्टूबर तक मरम्मत का सारा काम पूरा कर दिया जाएगा। आउटर रिंग रोड पर हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे की सड़क भी कई जगह क्षतिग्रस्त थी। डीएमएसआरसी द्वारा यहाँ पैचवर्क पूरा कर दिया गया है। जगतपुर में भी मेट्रो का निर्माण कार्य जारी है। यहाँ क्षतिग्रदत सड़क पर पैचवर्क और पॉटहोल्स को भरने का काम किया जा रहा है अर इसे जल्द पूरा किया जाएगा। मलिक राम टंडन मार्ग का एक हिस्सा जर्जर हालत में है। आज समीक्षा बैठक में सीएम आतिशी ने पीडब्ल्यूडी और दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों की इस सड़क का संयुक्त निरीक्षण कर सड़क को जल्द से जल्द रिपेयर करने के निर्देश दिए है। एनसीआरटीसी के अंतर्गत इन सड़कों की हुई मरम्मत 1. निजामुद्दीन बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन की सड़क- आवाजाही के हिसाब से इस महत्वपूर्ण सड़क जर्जर हालत में है। सीएम आतिशी ने पिछले सप्ताह इस सड़क का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि, सड़क पर बड़े गड्ढे है और ऊपरी सतह उखड़ी हुई है। इस कारण रेलवे स्टेशन से रिंग रोड के बीच आवाजाही करने वाले लोगों की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस बाबत सीएम आतिशी ने पीडब्ल्यूडी को एनसीआरटीसी से कोऑर्डिनेट कर तुरंत इस सड़क को रिपेयर करवाने के निर्देश दिए थे। आज बैठक में एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने साझा किया कि, इस सड़क की मरम्मत का काम तुरंत शुरू किया जाएगा और 25 अक्टूबर तक 300 मीटर की इस सड़क को पूरी तरह रिपेयर कर दिया जाएगा। 2. ईस्टर्न अपार्टमेंट, न्यू अशोक नगर मेट्रो के पास की सड़क का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त है। एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने समीक्षा बैठक में बताया कि, सप्ताहभर में इस सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से को रिपेयर कर दिया जाएगा। 3. खिचड़ीपुर स्थित धोबी घाट की सड़क भी एनसीआरटीसी के अंतर्गत आती है। जिसका 300 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त है। और एनसीआरटीसी द्वारा जल्द इसे रिपेयर कर दिया जाएगा।

हरियाणा सीएम का शपथ समारोह 15 को, पीएम भी पहुंचेंगे

ADGP मित्तल-पूर्व सांसद भाटिया परेड ग्राउंड पहुंचे, 50 हजार लोग आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

हरियाणा के नए उट का शपथ ग्रहण समारोह 15 अक्टूबर को होगा। नायब सैनी ही दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे। इसके लिए पंचकूला के सेक्टर 5 में स्थित परेड ग्राउंड में तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। यहां स्टेज बना ली गई है। इसके साथ सड़कों को ठीक किया जा रहा है। स्टेडियम को पेंट भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में 50 हजार लोग आएंगे। सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा अमित शाह

और राजनाथ समेत कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। समारोह की तैयारियों के लिए पंचकूला के उच्च की अगुआई में कमेटी बना दी गई है। इससे पहले यह शपथ ग्रहण समारोह 12 अक्टूबर को होने वाला था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के देश से बाहर होने के चलते कार्यक्रम को टाल दिया गया।

पुणे में ऑडी ने डिलीवरी बॉय को कुचला, मौत:कार सवार भागा

सीसीटीवी से आरोपी की पहचान हुई, गिरफ्तार

महाराष्ट्र के पुणे में हिट एंड रन का नया मामला सामने आया है। मुंढवा इलाके में ताड़ीगुट्टा के पास एक ऑडी कार ने फूड डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दी। फिर कार से कुचलकर भाग गया।

घायल बाइक सवार को अस्पताल में एडमिट कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान रऊफ अकबर शेख के रूप में हुई। पुलिस ने बताया, कार सवार ने इससे पहले एक स्कूटी को भी टक्कर मारी, जिसमें 3 घायल हो गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। उसकी पहचान 34 साल के आयुष तायल के रूप में हुई। वह एक प्राइवेट कंपनी में बड़ा अधिकारी है। पुलिस ने उसे घर से गिरफ्तार कर लिया।

टक्कर मारने के बाद भी आरोपी ने कार नहीं रोकी

पुणे पुलिस के मुताबिक, घटना गुरुवार (10 अक्टूबर) देर रात करीब 1.35 बजे की है। मुंढवा इलाके में गूगल ऑफिस के बाहर ऑडी कार में सवार आरोपी ने पहले एक स्कूटी को टक्कर मारी। फिर उसने फूड डिलीवरी बॉय की बाइक पर कार चढ़ा दी। शुरूआती जानकारी में पता चला कि कार ड्राइवर शराब के नशे में था। बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद भी आरोपी ने कार नहीं रोकी। उसने घायल शख्स को कार के नीचे कुचल दिया और तेजी से भाग गया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से पहले कार की पहचान की। फिर उसके मालिक का पता लगाया। आरोपी को हड़पसर इलाके में उसके घर से अरेस्ट कर लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

लैपर्ड की दो खालों के साथ पुरोला से एक वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार, एसटीएफ को मिली बड़ी कामयाबी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स और वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम ने पुरोला से एक वन्यजीव तस्कर को पकड़ा। लैपर्ड की दो खालों के साथ एक वन्यजीव तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ को यह बड़ी कामयाबी मिली है। बुधवार को उत्तरकाशी के पुरोला थाना क्षेत्र से वन्यजीव तस्कर की गिरफ्तारी हुई। उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स और वन्य जीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम नेवन्यजीव तस्कर को पकड़ा।

कॉलेज के प्रधानाचार्य समेत सात लोगों पर मुकदमा

देहरादून, एजेंसी। एक इंटर कॉलेज में तैनात महिला ने प्रधानाचार्य, लिपिक, परिचारक समेत कई लोगों पर नौकरी से निकालने और नौकरी छोड़ने को मजबूर करने के षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। आरोप है आरोपियों ने मानसिक, सामाजिक शोषण के साथ ही जानलेवा हमला भी किया। पुलिस ने मामले में प्रधानाचार्य समेत सात पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले की शिकायत अल्पसंख्यक आयोग में भी की गई। महिला की शिकायत पर डालनवाला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, महिला पिछले 19 साल से कॉलेज में कार्यरत है। आरोप है कॉलेज के प्रधानाचार्य, लिपिक, परिचारक, परीक्षा प्रभारी, सहायक अध्यापिका ने नौकरी से निकालने और नौकरी छोड़ने को मजबूर करने के षड्यंत्र रचा। फार्म पर हस्ताक्षर कर खंड शिक्षा अधिकारी को दिया गया। आरोप है कि उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी मूल स्थान पर कार्यभार नहीं दिया गया। नौकरी से निकालने के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र रचे गए।

स्कूल के ऑफिस के ताले तोड़कर सामान चोरी

हरिद्वार, एजेंसी। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में स्कूल के ऑफिस के ताले तोड़कर सामान चोरी कर लिया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, कुंवर बाली पुत्र कृष्ण लाल बाली निवासी रामनगर गोल गुरुद्वारा ज्वालापुर ने शिकायत दी। बताया कि उनका गंगानगरी रानीपुर में एसडीबीएम नाम से स्कूल है। आठ अक्तूबर की रात स्कूल के ऑफिस का ताला तोड़कर दो अज्ञात चोरों ने जेनरेटर की बैटरी, क्लास रूम में लगा एलसीडी, नाली पर रखा लोहे का जंगला चोरी कर लिया। स्कूल में लगे कांच व अन्य सामान व कम्प्यूटर को नुकसान पहुंचाया। बुधवार की सुबह स्कूल खोलने पर चोरी का पता चला। स्कूल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया तो दो आरोपी वारदात करते हुए दिखाई दिए। कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डीएम ने शहर में सफाई व्यवस्था का किया स्थलीय निरीक्षण,अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की राजधानी के जिलाधिकारी सविन बंसल ने शहर की सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। वहीं इस निरीक्षण के दौरान डीएम ने कूड़ा उठान व्यवस्था का भी जायजा लिया। इस दौरान शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर कई खामियां सामने आने पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। प्राप्त सूचना के मुताबिक जिलाधिकारी ने देहरादून शहर में स्थित घंटाघर से सर्वे चौंक,सहस्त्रधारा रोड भगत सिंह कॉलोनी,माता मंदिर रोड समेत कारगी चौक का निरीक्षण किया। इसी के साथ ही डीएम ने कूड़ा उठान व्यवस्थाओं का जायजा भी जायजा लिया। वहीं इस निरीक्षण के दौरान 14 वाहन खड़े पाए गए। इसमें से चार वाहन खराब एवं 11 वाहन समय पर नहीं निकले थे। ऐसे में डीएम ने अधिकारियों को खराब वाहनों की मरम्मत कराने एवं संबंधित कंपनियों की आरसी काटने के निर्देश दिए। इसी के साथ ही निर्धारित समय पर कूड़ा कलेक्शन के लिए ना निकलने वाले वाहनों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए।

नगर पालिकाओं में ओबीसी के पद बढ़े, पंचायतों में घटे, निकाय चुनावों से पहले पदों में हुआ बदलाव

देहरादून, एजेंसी। निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए सरकार जल्द अध्यादेश लाएगी। कैबिनेट की बैठक में इसका एक प्रस्ताव आएगा।

उत्तराखंड के नगर निकाय चुनावों से पहले एकल सदस्यीय समर्पित आयोग की अनुपूरक रिपोर्ट से मेयर, पालिका चेयरमैन व नगर पंचायत अध्यक्ष के पदों में बदलाव हो गया है। इसी महीने से निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

बृहस्पतिवार को एकल सदस्यीय समर्पित आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश बीएस वर्मा ने यह रिपोर्ट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंप दी। अब इसी हिसाब से निकाय चुनाव होंगे। निकायों में ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए सरकार जल्द अध्यादेश लाएगी। कैबिनेट की बैठक में इसका एक प्रस्ताव आएगा।

अनुपूरक रिपोर्ट आने के बाद नौ के बजाए 11 नगर निगमों का आरक्षण तय हो गया है। इनमें मेयर का एक पद अनुसूचित जाति, आठ पद सामान्य और दो पद ओबीसी के होंगे। पहले सामान्य के छह पद थे। इसी प्रकार, नगर पालिकाओं में अब चेयरमैन के 41 के बजाए 45 पद होंगे। इनमें से अनुसूचित जाति के पद पूर्व की भांति छह ही होंगे।

अनुसूचित जनजाति का भी एक ही पद होगा। सामान्य वर्ग के पदों की संख्या 22 से बढ़कर 25 हो गई है। ओबीसी के पदों की संख्या भी 12 से बढ़कर 13 हो गए हैं। नगर पंचायतों में 45 के बजाए 46 पद होंगे। इनमें अनुसूचित जाति के छह, अनुसूचित जनजाति के एक पद होंगे।

सामान्य पदों की संख्या 23 से बढ़कर 24 और ओबीसी के पदों की संख्या 16 से घटकर 15 हो गई है। इस मौके पर सचिव शहरी विकास नितेश झा, सदस्य सचिव मनोज कुमार तिवारी और सुबोध बिजल्वाण मौजूद रहे। 2011 की जनगणना के हिसाब से हुए ओबीसी सर्वेक्षण में ओबीसी की आबादी का आंकड़ा भी बदल गया है। पूर्व की रिपोर्ट में नगर पालिका में ओबीसी की आबादी 28.10 थी, जो अब 28.78 प्रतिशत हो गई। नगर पंचायतों में ओबीसी की आबादी 38.97 से घटकर 38.83 प्रतिशत हो गई है। नगर निगमों में ओबीसी की आबादी 18.05 से घटकर 17.52 प्रतिशत हो गई है।

पांच युवाओं ने मद्महेश्वर घाटी में खोजा 78 किमी लंबा ट्रैकिंग रूट, डिजिटल मैप किया तैयार

रुद्रप्रयाग , एजेंसी। चोपता-बिसुड़ीताल-खमदीर-नंदकुंड-मद्महेश्वर ट्रैकिंग रूट दुर्गम है और इस पर ग्लेशियर, झीलें और कई किमी तक फैला पथरीला भू-भाग है। आने वाले दिनों में यह देश-विदेश के ट्रैकर की पसंद बन सकता है। युवाओं ने कुछ समय पूर्व इस ट्रैक को गूगल मैप पर देखा था।

इसके बाद उन्होंने इस ट्रैक की भौतिक स्थिति जानने के लिए डिजिटल मैप तैयार किया और इसकी मदद से इस ट्रैक को खोज निकाला। मद्महेश्वर घाटी के गौंडार गांव के अभिषेक पंवार व अजय पंवार, बड़ासू गांव के संजय नेगी, नई टिहरी बडियारगढ़ के विनय नेगी और डांगी गांव के विपिन सिंह ने नए ट्रैक की खोज की है।

यह पर्यटक स्थल चोपता को द्वितीय केदार मद्महेश्वर से जोड़ रहा है। 20 सितंबर को पांच सदस्य दल ने पर्यटक स्थल चोपता से नए ट्रैक खोज अभियान की शुरुआत की। पहले दिन तीन किमी की दूरी तय कर दल रात्रि प्रवास के लिए मर्तोली पहुंचा। 21 सितंबर को सुबह छह बजे पांच सदस्यीय दल मर्तोली से आगे बढ़ा और कई नदी नालों को पार करते हुए 15 किमी की दूरी तय कर चित्रा वड्यार पहुंचा।

22 सितंबर को दल चित्रा बड्यार से डिजिटल मैप की मदद से आगे बढ़ते बुग्याली छोटे-छोटे मैदानों व घाटियों के बीच स्थित बिसुड़ीताल होते हुए दवा मरूड़ा पहुंचा। 23 सितंबर को दल दवा मरूड़ा से आगे बढ़ते हुए दुर्गम राह पार करते हुए अजय पास पहुंचा।

24 सितंबर को युवाओं का दल अजय पास से अभियान को आगे बढ़ाते हुए प्राकृतिक सौंदर्य से लबरेज भरतकुंड, केदारनाथ, केदारडोम, खर्च कुंड, भागीरथी, मंदानी पर्वती, सतोपंथ, जन्हुकुंड, चौखंभा का दूर से दीदार करते हुए डगडनियाल खाल पहुंचा। यह पूरा क्षेत्र पथरीला है और यहां पत्थरों की शिलाएं हैं। खास बात यह है कि क्षेत्र चमोली और रुद्रप्रयाग जिले की सीमा से लगा है। यहां से आगे खमदीर है, जो समुद्रतल से 4500 मीटर की ऊंचाई पर है। पूरे क्षेत्र में बड़े-बड़े पहाड़ जैसा भूखंड है। खमदीर के निचले हिस्से में ट्री लाइन शुरू होती है। यहां से शेषनाग कुंड से नंदी कुंड होते हुए दल पांडवसेरा से काच्छिनी खाल से नीचे उतरे हुए द्वितीय केदार मद्महेश्वर पहुंचा। पांच सदस्यीय ट्रैकिंग दल में शामिल विनय नेगी ने चोपता-बिसुड़ीताल-खमदीर-नंदकुंड-मद्महेश्वर ट्रैक के तीन डिजिटल मैप तैयार किए। मैप में पूरे ट्रैकिंग रूट के एक-एक बिंदु को दर्शाया गया, जिससे कोई दिक्कत न हो। दल में शामिल गौंडार निवासी अभिषेक पंवार ने बताया, ट्रैक के बारे में पूरी रिपोर्ट वन विभाग और पर्यटन विभाग को दी जाएगी, जिससे ट्रैक को लेकर विभागीय स्तर पर जरूरी कार्रवाई की जाए। पांचों युवा बीते वर्ष मद्महेश्वर घाटी में एक सरोवर की खोज भी कर चुके हैं, जिसे उन्होंने शिव सरोवर नाम दिया था। यह सरोवर मद्महेश्वर-पांडवसेरा-नंदकुंड-घिया विनायक पास-पनपतिया ट्रैकिंग सर्किट पर स्थित है। वर्ष 2022 में 27 अगस्त को युवाओं ने अपना ट्रैकिंग अभियान शुरू किया था और एक सितंबर को ताल की खोज की थी।

38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए सरकार तैयार पर विभाग की तैयारियां अधूरी, सिंथेटिक ट्रैक करना है ठीक

देहरादून, एजेंसी। देहरादून में 15 से 16 खेल होने हैं। देहरादून के अलावा हरिद्वार, हल्द्वानी, रुद्रपुर, टिहरी और पिथौरागढ़ में खेल होंगे। खेलों के स्थान के चयन को लेकर अंतिम मुहर गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी और प्रतियोगिता निदेशक की ओर से लगाई जाएगी।

उत्तराखंड को अब नए साल 2025 की शुरुआत में 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिली है। सरकार इसके लिए पूरी तरह से तैयार है, लेकिन विभाग और खेल संघ की तैयारियां अभी अधूरी हैं।महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज देहरादून में जहां 15 या फिर इससे अधिक खेल होने हैं, उसके लिए सिंथेटिक ट्रैक को ठीक किया जाना है।

वहीं, उत्तराखंड ओलंपिक संघ अभी यह तय नहीं कर पाया है कि 37 खेलों में से किस खेल में राज्य के कितने खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। राज्य में राष्ट्रीय खेलों के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाईपावर कमेटी गठित है, ताकि राष्ट्रीय खेलों की तैयारी एवं खेलों के दौरान मौके पर निर्णय लिए जा सकें। इसके अलावा महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज में राष्ट्रीय खेल सचिवालय बनाया गया है।

खेल विभाग के अफसरों के मुताबिक, राष्ट्रीय खेलों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर अक्तूबर अंतिम सप्ताह में तैयार हो जाएगा। देहरादून में 15 से 16 खेल होने हैं। देहरादून के अलावा हरिद्वार, हल्द्वानी, रुद्रपुर, टिहरी और पिथौरागढ़ में खेल होंगे। खेलों के स्थान के चयन

को लेकर अंतिम मुहर गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी और प्रतियोगिता निदेशक की ओर से लगाई जाएगी।

विभाग के संयुक्त निदेशक अजय अग्रवाल के मुताबिक, राष्ट्रीय खेलों में 37 खेलों में से तीन खेल मलखम, योगासन और कराटे राज्य की ओर से शामिल किए गए हैं। हालांकि, राज्य सरकार चाहे तो कुछ अन्य खेल इसमें शामिल कर सकती है। अभी खेल सामग्री की खरीद की जानी है। इसके लिए एक सप्ताह के भीतर निविदा हो जाएगी। उन्होंने कहा, खेलों में कौन से खिलाड़ी खेलेंगे, इसमें राज्य सरकार का कोई सीधा रोल नहीं हैं। खेल संघ को यह तय करना है।

हालांकि, राष्ट्रीय खेलों के लिए चयनित खिलाड़ियों के प्रशिक्षण का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। राष्ट्रीय खेलों की तैयारी को लेकर विशेष प्रमुख सचिव खेल की ओर से 14 अक्तूबर को उत्तराखंड ओलंपिक संघ और खेल विभाग की बैठक बुलाई है।

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज में सिंथेटिक ट्रैक को अभी ठीक किया जाना है। तकनीकी कमेटी की ओर से इसमें राष्ट्रीय खेलों को लेकर कुछ आपत्ति जताई गई है। इसे पूरा उखाड़ा जा सकता है। जिसे नए सिरे से बनने में काफी समय लग सकता है। वहीं, राज्य में जिन स्थानों पर राष्ट्रीय खेल प्रस्तावित हैं, उन स्थानों पर सड़कों की स्थिति भी ठीक नहीं है।

राष्ट्रीय खेलों की तैयारी चल रही है। इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर 98 फीसदी काम हो चुका है। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कालेज में सिंथेटिक ट्रैक को लेकर तकनीकी समिति की ओर से कुछ आपत्ति जताई गई है।

शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए मिले तो खैर नहीं, निरस्त होगा ड्राइविंग लाइसेंस

देहरादून, एजेंसी। शराब पीकर अंधाधुंध गाड़ी दौड़ाने वालों की अब खैर नहीं होगी। ऐसे चालकों के विरुद्ध परिवहन विभाग न केवल वाहन का चालान करेगा, बल्कि चालक का ड्राइविंग लाइसेंस सीधे निरस्त करने की कार्रवाई करने जा रहा है।

आरटीओ (प्रवर्तन) शैलेश तिवारी ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से निर्धारित सड़क सुरक्षा से जुड़े छह अपराध में सीधे ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इन अपराध में पहले तीन माह या छह माह के लिए लाइसेंस निलंबित होता था, लेकिन अब लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई होगी।

यही नहीं, संबंधित चालक 12 माह तक नया लाइसेंस बनाने के लिए आवेदन भी नहीं कर सकेगा। आरटीओ ने बताया कि इस वर्ष जनवरी से अगस्त तक 1800 डीएल निलंबित किए जा चुके हैं।

आरटीओ ने बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने, बेलगाम गति व खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वालों को लाइसेंस के विरुद्ध की गई निरस्तीकरण की कार्रवाई में सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया जाएगा। हालांकि, दुपहिया पर हेलमेट न पहनने और ट्रिपल राइडिंग करने पर लाइसेंस को तीन माह के लिए निलंबित करने का नियम पूर्व की तरह यथावत रहेगा।

परिवहन विभाग ने चालक का डीएल यानी ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की जो तैयारी की है, उसमें शराबी व बेलगाम गति से वाहन चलाने वालों पर गाज गिरनी तय है। आरटीओ ने बताया कि केंद्र की ओर से मोटर वाहन अधिनियम में जो संशोधन किए गए हैं, उनमें दुर्घटना में वहन चालक की गलती पाए जाने पर ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने का प्रविधान है। यही नियम उन चालकों पर भी लागू होता है, जिनकी वजह से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना के पैकेज आठ में सुरंग निर्माण में सफलता मिली, इंजीनीयरों में खुशी

चमोली, एजेंसी। रेलवे की आइटीबीपी के समीप से भट्टनगर तक की 2.7 किमी टनल आरपार कर ली गई।

ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना पैकेज 8 में सुरंग-15 की सफल सफलता के साथ एक प्रमुख मील के पत्थर पर पहुंच गई है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के तहत कार्यरत मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) और इटाल्फेर-लोम्बार्डी जेवी के संयुक्त प्रयासों से संभव हुई है।

सुरंग-15, जिसकी कुल लंबाई 7055 मीटर है, ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेलवे मार्ग का एक महत्वपूर्ण घटक है। इस खंड को पूरा करना भौगोलिक दृष्टि से बड़ी चुनौती थी। टीम ने गौचर नाले पर शून्य ओवरबर्डन से लेकर गौचर शहर के आवासीय क्षेत्र के नीचे से गुजरने तक की सभी चुनौतियों को पार कर लिया। रैम्प-05 और रैम्प-06 के बीच कुल 2700 मीटर की ड्राइव लंबाई पूरी होने के बाद सफलता मिली।

एमटी-05 के लिए 2130 मीटर की दूरी तय करने का

अभियान 6 जनवरी, 2022 को शुरू हुआ, जबकि एमटी-06 के लिए 570 मीटर की दूरी तय करने का अभियान 6 जून, 2022 को शुरू हुआ। कुल अभियान 1008 दिनों में पूरा हुआ, जो जमीनी स्तर पर टीमों के समन्वित प्रयासों को दर्शाता है। परियोजना की सभी प्रमुख टीमों के संयुक्त प्रयासों से सफलता हासिल हुई। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना एक प्रमुख बुनियादी ढांचा पहल है जिसका उद्देश्य उत्तराखंड में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह सफलता एक बड़ी उपलब्धि है, जो परियोजना को पूरा होने के करीब लाएगी और क्षेत्र में परिवहन नेटवर्क को बढ़ाएगी।

उसकूना में सीसीटीवी में कैद हुआ तेंदुआ

अल्मोड़ा, एजेंसी। हवालबाग के उसकूना में एक तेंदुआ सीसीटीवी में कैद हुआ है। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्राम प्रधान देवेन्द्र सिंह मेहरा के घर के बाहर लगे सीसीटीवी में बीते मंगलवार रात करीब दस बजे एक तेंदुए की चहलकदमी कैद हुई। तेंदुआ मकान की छत पर दिखाई दे रहा है। बृहस्पतिवार सुबह सीसीटीवी फुटेज देखने पर यह जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि दो तेंदुए घरों के आसपास पहुंच रहे है। इससे जानमाल का खतरा बना है। उन्होंने वन विभाग से सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है। रेंजर तापस मिश्रा ने बताया कि टीम प्रभावित क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही है।

खेतों में शहतूत के पेड़ लगाकर फसल बढ़ाएं-डीएम

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने बृहस्पतिवार को कृषि एवं उद्यान विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभागों में संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि अधिकारी ऐसी व्यवस्था बनाएं जिसमें एक अधिकारी कम से कम एक गांव को गोद ले एवं वहां कृषि तथा उद्यान के अंतर्गत सभी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार रहे। उन्होंने मडुवा की खेती बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि मोटे अनाजों की दुनिया भर में बहुत मांग है इसलिए मडुवा का उत्पादन बढ़ाकर जनपद के किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। जनपद में जंगली सुअर से फसलों को बहुत नुकसान होता है इसलिए खेतों के किनारों पर शहतूत के पेड़ लगाएं जिससे फेंसिंग के साथ-साथ रेशम उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा सके। डीएम ने किसान सम्मान निधि समेत सभी योजनाओं का लाभ समय से किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ दिवेश शाशनी, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ.नरेंद्र कुमार, मुख्य कृषि अधिकारी विनोद शर्मा, सहायक निदेशक रेशम संजय काला आदि मौजूद थे।

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में हजारों लोगों को मिलेगा अपना घर, 11 हजार से अधिक ने किया आवेदन

देहरादून, एजेंसी। शहर में रिस्पना-बिंदाल समेत तमाम नदी-नालों के किनारे वर्ष 2016 से पहले से पसरे अतिक्रमण पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल ने नगर निगम से जवाब मांगा है। जिस पर नगर निगम ने सभी निर्माण ध्वस्त कर पुनर्वास का दावा किया है।

अगले सप्ताह निगम को जवाब दाखिल करना है, जिसमें सभी मलिन बस्तियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वासित करने दलील दी जा सकती है। दून में वर्ष 2016 से पूर्व चिह्नित 129 मलिन बस्तियों में करीब 40 हजार घर हैं।

वहीं, इन बस्तियों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पहले ही 11 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं। इसके अलावा दून में बीते वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक हजार घर भी उपलब्ध नहीं कराए जा सके हैं। इस वर्ष की शुरुआत में एनजीटी के निर्देश पर रिस्पना के किनारे वर्ष 2016 के बाद किए गए निर्माण का सर्वे किया गया था। जिसमें कुल 524 अतिक्रमण पाए गए थे।

89 अतिक्रमण नगर निगम की भूमि पर, जबकि 12 नगर पालिका मसूरी और 11 राजस्व भूमि पर पाए गए थे। दूसरी तरफ नगर निगम के नियंत्रण में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए जिस भूमि को एमडीडीए के नियंत्रण में दिया गया था, उस पर 414 से अधिक अतिक्रमण होने की बात सामने आई।

लंबी-चौड़ी कसरत के बाद आपत्तियों का निस्तारण कर चिह्नित में से करीब आधे निर्माण ध्वस्त कर एनटीजी को रिपोर्ट सौंप दी गई। जिस पर एनजीटी की ओर से नदी किनारे अतिक्रमण हटाने के दौरान बेघर हुए परिवारों के लिए की व्यवस्था के संबंध में पूछा गया। जिस पर नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास करने की बात कही।

अब एनजीटी की ओर से देहरादून में रिस्पना-बिंदाल समेत तमाम नदियों के किनारे वर्ष 2016 से पहले के अतिक्रमण पर जवाब मांगा गया। हालांकि, इस पर नगर निगम को 15 अक्टूबर को जवाब दाखिल करना है। निगम की ओर से सभी बस्तियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास करने की बात कही जा रही है। हालांकि, यह बात व्यवहारिक रूप से गले नहीं उतर पा रही है। जहां बीते नौ वर्षों में दून में एक हजार आवास भी आवंटित नहीं किए जा सके हैं।

यहां पीएम आवास योजना के तहत बेहद कम फ्लैट बनाए जा सके हैं। वर्तमान में निगम के पास 11 हजार से अधिक आवेदन पहुंच चुके हैं, ऐसे में बड़ी संख्या में बस्तीवासियों के लिए आवास तैयार होना संभव नजर नहीं आ रहा है।

कुछ समय पूर्व ही मुख्य सचिव राधा

रतूड़ी ने स्लम फ्री उत्तराखंड को लेकर बैठक की थी। जिसमें मुख्य सचिव ने कहा कि मलिन बस्तियों में निवासरत परिवारों के जीवन स्तर में सुधार, मलिन बस्तियों के विनियमितीकरण और पुनरुद्धार, पुनर्वास की कार्ययोजना पर कार्य किया जाएगा।

उन्होंने मलिन बस्तियों में सुधार के लिए विभिन्न राज्यों के माडल पर किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा राज्य में प्रचलित अन्य योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए मलिन बस्तियों के निवासियों के पुनर्वास कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने 6000 मिलियन [600 करोड़] तक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 5) की पेशकश के जरिये धन जुटाने की योजना बनाई है। क्रिसिल के रिपोर्ट अनुसार सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड वित्त वर्ष 2024 के लिए ईपीसी व्यवसाय से राजस्व के मामले में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सेवाओं में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनियों में से एक है। इस ऑफर में 5500 मिलियन [550 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू (नया इश्यू) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 500 मिलियन [50 करोड़] तक ऑफर फॉर सेल शामिल है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व अर्थराइटिस दिवस 2024 मनाया

अहमदाबाद एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व अर्थराइटिस दिवस के उपलक्ष्य में रोबोटिक तकनीक के ज़रिये अत्याधुनिक तरीके से अर्थराइटिस के उपचार के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की। 12 अक्टूबर को, दुनिया भर के लोग एकजुट होकर विश्व अर्थराइटिस दिवस 2024 मनाएंगे और अर्थराइटिस के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाएंगे, साथ ही पूरी दुनिया में इससे पीड़ित लाखों लोगों के लिए बेहतर उपचार, जानकारी और रिसर्च की हिमायत करेंगे। समझदारी भरा विकल्प, बेहतर परिणाम इस वर्ष की थीम है, जिसमें इस बात को सबसे ज़्यादा अहमियत दी गई है कि अर्थराइटिस की चुनौतियों पर काबू पाने के लिए इससे संबंधित नवीनतम जानकारी से लैस होना सबसे ज्यादा मायने रखता है। अर्थराइटिस तथा दूसरी तरह की मस्कुलोस्केलेटल बीमारियों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता और समझ बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व अर्थराइटिस दिवस मनाया जाता है। यह हर साल 12 अक्टूबर को मनाया जाता है, जो अर्थराइटिस का मुकाबला करने के लिए इससे पीड़ित लोगों और सामान्य रूप से समुदायों, संगठनों तथा स्वास्थ्य सेवाकर्मियों को एकजुट करने वाले मंच की भूमिका निभाता है।

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी में सफलता की एक नई मिसाल कायम की

अहमदाबाद एजेंसी। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल अहमदाबाद ने लेफ्ट कार्डिएक सिम्पैथेटिक डिनेर्वेशन के लिए भारत में पहली बार थोरैकोस्कोपिक फ्लोरोसेंस-गाइडेड सर्जरी की तकनीक का उपयोग किया है, जो पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। 8 साल के एक बालक को मरीज के रूप में अस्पताल लाया गया, और डायग्नोसिस के बाद पता चला कि वह ऑटोसोमल रिसेसिव कैटेकोलामाइनर्जिक पॉलीमॉर्फिक वेंट्रीकुलर टैचीकार्डिया-टाइप 2 से पीड़ित है। यह इस दुर्लभ और जानलेवा बीमारी के इलाज की सबसे बेहतर प्रक्रिया है, जो उपचार के क्षेत्र में हुई प्रगति को दर्शाती है। सचमुच, यह प्रक्रिया दिल की बेहद खतरनाक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों और उनके परिवारों के लिए उम्मीद की एक नई किरण है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में कार्डियक एरिथिमिया विभाग की कमान डॉ. अजय नाइक, कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट, तथा कार्डियक एरिथिमिया एवं एचएफ डिवाइस डिवीजन के डायरेक्टर, के हाथों में है

महंगाई की मार से बचाएगी सरकार, भारत ब्रांड दाल, चावल और आटा फिर मिलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। त्योहारी मौसम में बढ़ती खाद्य महंगाई से मोदी सरकार आम लोगों को राहत दे सकती है। इसके लिए भारत ब्रांड के तहत दाल, चावल और आटा की बिक्री फिर से शुरू करने की तैयारी है। इसकी शुरुआत इसी महीने से हो सकती है। गौरतलब है कि महंगाई की मार से आम जनता को बचाने के लिए सरकार ने बाजार भाव से कम कीमत पर आटा, दाल और चावल बेचना शुरू किया था। सबसे पहले पिछले साल नवंबर से भारत आटा बाजार में उतारा गया था। इसके बाद इसी साल दाल और चावल की बिक्री भी शुरू की गई।

सरकार पहले सिर्फ केंद्रीय भंडार और मोबाइल वैन के माध्यम से 'भारत आटा' और 'भारत चावल' की बिक्री कर रही थी, बाद में इसे कई अन्य सरकारी और प्राइवेट किराना स्टोर पर उपलब्ध कराया गया, लेकिन जून में चावल और आटे की बिक्री बंद कर दी गई। फिलहाल कुछ दालों की ही बिक्री की जा रही है।

खाद्य महंगाई में उछाल

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में सब्जियों और फलों की कीमतों में वृद्धि ने खुदरा मुद्रास्फीति दर को थोड़ा बढ़ाकर 3.7 फीसद कर दिया। जुलाई में यह दर 3.6 फीसद थी। उम्मीद है कि सितंबर में यह दर और बढ़ सकती है। सब्जियों की मुद्रास्फीति जुलाई में 6.8 फीसद के मुकाबले अगस्त में 10 फीसद से अधिक हो गई। इसी तरह, फलों की मुद्रास्फीति इस अवधि के दौरान 3.5 फीसद के मुकाबले बढ़कर 6 फीसद से अधिक हो गई।

यह हो सकती है संभावित कीमत

बताया जा रहा है कि इस बात इनकी दरों को बढ़ाने का प्रस्ताव है। आटे का 10 किलो का बैग 275 रुपये से 300 रुपये और चावल का 10 किलो का बैग 295 से 320 रुपये के बीच मिल सकता है। वहीं, चना दाल 60 से 70 रुपये किलो बेचे जाने की बात कही जा रही है। मूंग दाल को 107 रुपये और मसूर दाल को 89 रुपये प्रति किलो के अधिकतम खुदरा मूल्य के साथ बेचे जाने की संभावना है। फरवरी में, सरकार ने भारत चावल 5 किलो और 10 किलो के पैक में 29 रुपये प्रति किलो की दर से बेचना शुरू किया था। नवंबर 2023 में भारत आटा की बिक्री 275 रुपये प्रति 10 किलो बैग पर शुरू हुई थी।

894 प्रतिशत बढ़ा छोटी कंपनी का मुनाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी अशोका मेटकास्ट के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 26.78 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में अशोका मेटकास्ट के मुनाफे में 894 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 35.71 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 16.52 रुपये है। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में अशोका मेटकास्ट का नेट प्रॉफिट 894.29 पर्सेंट बढ़कर 3.48 करोड़ रुपये पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 0.35 करोड़ रुपये (35 लाख रुपये) का मुनाफा हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी की सेल्स 142.47 पर्सेंट बढ़कर 14.33 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 5.91 करोड़ रुपये थी। अशोका मेटकास्ट, गुजरात बेस्ड डायवर्सिफाइड बिजनेस ग्रुप का हिस्सा है, यह शालिन अशोक शाह एंड फैमिली प्रमोटेड है। कंपनी फिलहाल टीएमटी बार, एंगल्स, चैनल्स और एमएस बार जैसे स्ट्रक्चरल स्टील प्रॉडक्ट्स की ट्रेडिंग और मैन्युफैक्चरिंग के बिजनेस में है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने किया अंतरिम डिविडेंड का ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड ने गुरुवार के तिमाही नतीजे के साथ-साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2025 के लिए अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने इस बार एक शेयर पर 10 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बता दें, योग्य निवेशकों को कंपनी की तरफ से डिविडेंड का भुगतान 5 नवंबर 2024 या मंगलवार को होगा। टीसीएस ने डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने इस अंतरिम डिविडेंड के लिए 18 अक्टूबर 2024 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही डिविडेंड का लाभ मिलेगा। बता दें, टीसीएस ने चालू वित्त वर्ष के लिए पहली बार डिविडेंड दिया है। टाटा ग्रुप की इस दिग्गज कंपनी वित्त वर्ष 2024 के दौरान एक शेयर पर 73 रुपये का डिविडेंड दिया था। टीसीएस की तरफ से निवेशकों को 2 बार बोनस शेयर भी दिया गया है। पहली बार कंपनी ने 2009 में बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी की तरफ से एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया गया था। और दूसरी बार 2018 में कंपनी ने बोनस शेयर बांटा था। तब भी कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर पर बोनस शेयर दिया था। पिछले एक साल के दौरान टीसीएस के शेयरों की कीमतों में 17 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

वित्तीय बाजार में रिलायंस का बड़ा दांव, ग्राहकों के लिए नई सुविधाओं के साथ जियोफाइनेंस एप लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने पहले से बेहतर वित्तीय सेवाएं देने के लिए अपना पूर्णतया विकसित जियोफाइनेंस एप लॉन्च कर दिया है। जियोफाइनेंस एप का बीटा संस्करण करीब 4 माह पहले 30 मई, 2024 को लॉन्च किया गया था। तब से अब तक इसे 60 लाख उपभोक्ता डाउनलोड कर चुके हैं।

कंपनी का दावा है कि ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर नया एप तैयार किया गया है। नया एप गूगल प्ले स्टोर, एप्पल एप स्टोर और माईजियो से डाउनलोड किया जा सकेगा। कंपनी ने अपने फाइनेंशियल प्रोडक्ट चेन में कई नई सेवाएं जोड़ी है। इनमें म्यूचुअल फंड पर लोन, संपत्ति पर लोन, होम लोन और होम लोन बैलेंस ट्रांसफर शामिल हैं। वित्तीय बाजार में पैर जमाने के लिए कंपनी प्रतिस्पर्धी दरों पर लोन उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है।

कंपनी के मुताबिक जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में करीब 15 लाख ग्राहक बचत खाता खुलवा चुके हैं। बैंक में बचत खाता सिर्फ 5 मिनट में डिजिटल तरीके से खोला जा सकता है। खाते के साथ डेबिट कार्ड भी मिलेगा और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के कारण बचत खाता अधिक सुरक्षित भी होगा। इसके अतिरिक्त, यूपीआई पेमेंट, मोबाइल रिचार्ज और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान जैसी सेवाएं भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी। जेएफएसएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ हितेश सेठिया ने कहा, जेएफएसएल में हमारा मिशन तकनीक का लाभ उठाकर निर्बाध और सुविधाजनक वित्तीय सेवाएं लोगों तक पहुंचाना है। नया जियोफाइनेंस एप भारत में बना है, और जल्द ही कई नए फीचर्स के साथ, हम भारत के लोगों के लिए एक भरोसेमंद वित्तीय सहयोगी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

नौकरी में नहीं लगा मन, एक कमरे में शुरू किया बिजनेस, खड़ी कर दी करोड़ों की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। चंडीगढ़ के सिद्धार्थ एस ओबेरॉय अमेरिका में प्रोजेक्ट इंजीनियर थे। उन्होंने नौकरी छोड़कर अपनी कंपनी बनाने का साहसिक फैसला लिया। सिद्धार्थ ने लेट्सशेव नाम की कंपनी शुरू की। भारत लौटने पर वह डायमंड कोटिंग वाले रेजर ब्लेड पर काम करने लगे। शुरुआत में उन्हें अम्बाला के एक छोटे से कमरे से हर महीने केवल 30 से 40 ऑर्डर मिलते थे। आज लेटसशेव को हर महीने 20,000 से अधिक ऑर्डर मिलते हैं। लेट्सशेव अब 100 से अधिक देशों में फैल गई है। कंपनी ने चार साल में 60 लाख डॉलर जुटाए हैं। विप्रो और रेजर बनाने वाली कोरियाई दिग्गज डोरको जैसी कंपनियों ने भी इसमें निवेश किया है। आइए, यहां सिद्धार्थ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। सिद्धार्थ ओबेरॉय मूल रूप से चंडीगढ़ के रहने वाले हैं। ओबेरॉय ने चंडीगढ़ के विवेक हाई स्कूल से 11वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की। फिर इंजीनियरिंग के लिए अमेरिका चले गए। उन्होंने पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, सैपिएन्जा यूनिवर्सिटी ऑफ रोम और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी शिक्षा हासिल की। सिद्धार्थ ने अमेरिका में प्रोजेक्ट इंजीनियर से करियर बदलकर 2015 में लेट्सशेव की नींव रखी। कंपनी ने 2018 में डोरको और 2020 में विप्रो जैसी बड़ी कंपनियों से निवेश हासिल किया। लेट्सशेव हाई क्वालिटी शेविंग प्रोडक्टों की बिक्री करती है। सिद्धार्थ को इस कंपनी का विचार अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी के डॉर्म रूम में आया था। बाजार में दूसरे ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स के ढेरों विकल्प थे। लेकिन, शेविंग के सीमित ऑप्शन उन्हें निराश करते थे। तभी उन्होंने शेविंग इंडस्ट्री में कुछ अलग करने का फैसला किया। हालांकि, तब वह अपनी पढ़ाई पर फोकस कर रहे थे और आगे चलकर उन्होंने प्रोजेक्ट इंजीनियर के रूप में नौकरी शुरू कर दी। लेकिन, यह विचार उनके मन में बना रहा। इस बीच उन्होंने अपने आइडिया को कुछ कंपनियों के साथ शेयर भी किया। दो साल बीत गए और सिद्धार्थ अमेरिका में प्रोजेक्ट इंजीनियर के रूप में अपनी नौकरी करते रहे। हालांकि, उनका मन नहीं लग रहा था। एक दिन उन्हें पता चला कि कोरियाई फर्म उनके साथ साझेदारी करने के लिए तैयार हो गई है। तब उन्होंने नौकरी छोड़ दी और लेट्सशेव को शुरू करने के लिए 2015 में भारत लौट आए। सिद्धार्थ ओबेरॉय ने लेट्सशेव की शुरुआत अम्बाला में 10×10 के एक छोटे से कमरे से की थी। शुरुआत में उन्हें हर महीने केवल 30 से 40 ऑर्डर ही मिलते थे। शुरुआती महीने निराशाजनक रहे क्योंकि उन्हें मुश्किल से एक लाख रुपये महीने की कमाई होती थी।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। घर से निकलने से पहले पेट्रोल-डीजल के रेट जरूर चेक कर लें। कच्चा तेल अब 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल पेट्रोल के रेट जारी कर दी हैं। इंडियन ऑयल के मुताबिक आज 11 अक्टूबर को दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये लीटर है। पोर्ट ब्लेयर में 82.42 रुपये में एक लीटर पेट्रोल मिल रहा है तो डीजल 78.01 रुपये में। लखनऊ में पेट्रोल की कीमत आज 94.65 और डीजल की 87.76 रुपये लीटर है। आज शुक्रवार को भारत में पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं आया है।

भारत में सबसे सस्ता ईंधन बेचने वाला केंद्र शासित प्रदेश अंडमान-निकोबार है। अंडमान निकोबार के पोर्ट ब्लेयर में 1 लीटर पेट्रोल की कीमत केवल 82.42 रुपये है। जबकि, डीजल 78.01 रुपये लीटर। एक अक्टूबर को कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब थी। बीच में यह 80 डॉलर पर पहुंच गई थीं। ब्लूमबर्ग एनर्जी पर दिए गए आज के ताजा रेट के मुताबिक ब्रेंट क्रूड 0.60 पर्सेंट गिरकर 78.92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई 75.45 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था।

एवेक्सिया लाइफ केयर लिमिटेड ने विट्टल्स मेडिकेयर में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण की घोषणा की

मुंबई- एवेक्सिया लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई- 524444) जो दवाइयों, रसायनों, मध्यवर्ती उत्पादों, कृषि उत्पादों और विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं के व्यापार में लगी हुई है, ने घोषणा की है कि उसने विट्टल्स मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक टर्म शीट पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि विट्टल्स मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी 35 करोड़ रुपये में खरीदी जा सके। इस लेनदेन के पूरा होने के बाद विट्टल्स मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड, एवेक्सिया लाइफकेयर लिमिटेड की सहायक कंपनी बन जाएगी। विट्टल्स मेडिकेयर डायग्नोस्टिक सेंटर्स के व्यवसाय में कार्यरत है, जो व्यवसाय विकास के लिए आपसी फायदे के अवसरों का लाभ उठाने हेतु एक रणनीतिक सरेखण को दर्शाता है। इसके अलावा, कंपनी ने सूचित किया कि एवेक्सिया लाइफकेयर की सहायक कंपनी अपने व्यापार विस्तार के लिए यूएई में स्थापित 10 एलएलसी/इकाइयों में निवेशक के रूप में प्रवेश करने की योजना बना रही है। इस निवेश के लिए, संबंधित एलएलसी के मौजूदा साझेदारों को यूएई के लागू कानूनों के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में एक सीमित देयता कंपनी स्थापित करनी होगी और इस लेनदेन का हिस्सा बनने वाले सभी एलएलसी में अपनी होल्डिंग को स्वैप के माध्यम से स्थानांतरित करना होगा, जिससे वे एसपीवी के 100 प्रतिशत पूंजी के धारक/साझेदार बन जाएंगे।

EVEXIA LIFECARE LIMITED

अमेज़न त्योहारी मौसम के दौरान ई-कॉमर्स में कारोबार बढ़ाने में मध्य प्रदेश के विक्रेताओं की मदद करने के लिए है प्रतिबद्ध

भोपाल। अमेज़न ने मध्य प्रदेश और पूरे भारत में विक्रेताओं के लिए 2024 के त्योहारी मौसम को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए, कई पहल और नवोन्मेष शुरू किए हैं। कंपनी ने किराना, फैशन और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियों में बिक्री शुल्क में 3त्न से 12त्न तक की उल्लेखनीय कटौती की घोषणा की है, ताकि विक्रेताओं को अपनी आय बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने में मदद मिल सके। इससे विक्रेताओं को दिवाली की खरीदारी की भीड़-भाड़ के लिए अपने परिचालन को अनुकूलित करने और त्योहारों के बाद भी व्यवसाय में वृद्धि जारी रखने का अवसर मिलेगा। आगामी त्योहारी मौसम के दौरान मध्य प्रदेश के एसएमबी और स्थानीय दुकानों के लिए ई-कॉमर्स के ज़रिये अपने ऑनलाइन व्यवसाय को बढ़ावा देने का एक बड़ा अवसर है। इस दौरान उपभोक्ता खर्च में भारी बढ़ोतरी की संभावना है। इस साल, राज्य के 62,000 से अधिक विक्रेता अमेज़न.इन पर अपने उत्पादों को सूचीबद्ध और प्रदर्शित करेंगे और इस तरह उनकी भारत के 100त्न सेवा योग्य पिन कोड पर उपलब्ध ग्राहकों तक पहुंच बनेगी।

मोदी ने सैन्य संघर्षों के कारण ग्लोबल साउथ पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त की

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूरोप और पश्चिमी एशिया में चल रहे सैन्य संघर्षों के कारण ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहे दुष्प्रभावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने शुक्रवार को दोहराया कि समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं निकल सकता है इसलिए मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, संवाद एवं कूटनीति के रास्ते पर आना होगा। श्री मोदी ने यहां 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में विस्तारवाद की नीति पर भी कड़ा प्रहार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि समस्याओं के समाधान के प्रयासों में संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत में, टाइफून यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त कीं और कहा कि इस कठिन घड़ी में, ऑपरेशन सद्भाव के माध्यम से भारत ने मानवीय सहायता उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने सदैव आसियान एकता और केंद्रीयता का समर्थन किया है। भारत के हिन्द प्रशांत विजन और क्वाड सहयोग के केंद्र में भी आसियान है। भारत के हिन्द प्रशांत महासागरीय पहल और हिन्द प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोणह्व के बीच गहरी समानताएं हैं। एक स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित हिन्द प्रशांत, पूरे क्षेत्र की शांति और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण चीन सागर की शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे हिन्द प्रशांत

क्षेत्र के हित में है। श्री मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियाँ यूएनक्लोस के अंतर्गत संचालित होनी चाहिए। नौवहन और हवाई परिवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है।एक ठोस और प्रभावी आचार संहिता बनायी जानी चाहिए। और इसमें क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश नहीं लगाए जाने चाहिए। हमारा रुख विकासवाद का होना चाहिए, न कि विस्तारवाद का। उन्होंने कहा कि म्यांमार की स्थिति पर हम आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम पांच सूत्रीय सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है।और लोकतंत्र की बहाली के लिए उपयुक्त कदम भी उठाए जाने चाहिए। हमारा मत है कि, इसके लिए, म्यांमार को अलग थलग नहीं, बल्कि साथ में रखना होगा। एक पड़ोसी देश के नाते, भारत अपना दायित्व निभाता रहेगा। श्री मोदी ने कहा, विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है।सभी चाहते हैं कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो। उन्होंने कहा, मैं बुद्ध की धरती से आता हूँ, और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं निकल सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, संवाद एवं कूटनीति को प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए, भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा।प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि इसका सामना करने के लिए, मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करना ही होगा। और, साइबर, समुद्र और अंतरिक्ष के क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बल भी देना होगा। उन्होंने कहा कि नालंदा का पुनरुद्धार, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में दी गयी हमारी प्रतिबद्धता थी।इस वर्ष जून में, नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करके हमने इसे पूरा किया है। वह, यहाँ उपस्थित सभी देशों को नालंदा में होने वाले उच्च शिक्षा के प्रमुखों के सम्मेलन के लिए आमंत्रित करते हैं।

जयप्रकाश नारायण की जयंती: पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने किया नमन

भारतीय राजनीति में लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) एक महान व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। उनकी जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। जयप्रकाश नारायण ने हमेशा जनता की भलाई के लिए काम किया और अपने समय की राजनीतिक और सामाजिक समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाई। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, लोकनायक जयप्रकाश नारायण को उनकी जयंती पर मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने देश और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका व्यक्तित्व और आदर्श हर पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लोकतंत्र के परम उपासक भारत रत्न, लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें नमन! आपातकाल के दौरान राष्ट्र की जनतांत्रिक चेतना को जागृत कर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में अविस्मरणीय योगदान दिया था। वे सच्चे अर्थों में लोकनायक थे। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने एक्स पर लिखा, लोकप्रिय जननेता, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं सम्पूर्ण क्रांति के प्रणेता भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर कोटिशः नमन। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लोकनायक के व्यक्तित्व को सराहते हुए एक्स पर लिखा, आपातकाल के अत्याचार के विरुद्ध और लोकतंत्र की रक्षा हेतु संपूर्ण क्रांति का उद्घोष करने वाले भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर उन्हें नमन। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने सामाजिक उत्थान में उनकी भूमिका को याद करते हुए लिखा, भारत रत्न लोकनायक श्री जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर सादर नमन। आम आदमी के अधिकारों की रक्षा करते हुए भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने और सामाजिक उत्थान के उनके काम हम सभी के लिए प्रेरणा है। केंद्रीय एमएसएमई मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने लिखा,संपूर्ण क्रांति के जनक, भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। उन्होंने जीवन पर्यंत भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में अपना अमूल्य योगदान दिया। उनका यह निस्वार्थ सेवा भाव देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अन्याय के विरुद्ध उनके संघर्ष को प्रणाम किया। लिखा, संपूर्ण क्रांति के उद्घोषक, भारत रत्न, लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ! आपके प्रखर विचार और आदर्श जीवन सदैव भावी पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी महान स्वतंत्रता सेनानी, संपूर्ण क्रांति के प्रणेता भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण को शत-शत नमन किया।

भारत-लाओस के बीच ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत बनाने पर हुई वार्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वियंतियाने में लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानडोन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री को 21वें आसियान-भारत और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की सफलतापूर्वक मेजबानी करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि लाओ पीडीआर के प्रधानमंत्री सिफानडोन के साथ शानदार बैठक हुई। आसियान से संबंधित शिखर सम्मेलनों के मेजबान के रूप में लाओ पीडीआर के लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य की सराहना की। हम अपने देशों के बीच विकास साझेदारी को और मजबूत करना चाहते हैं, खासकर कौशल, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-लाओस सभ्यतागत और समकालीन संबंधों को और मजबूत बनाने पर सार्थक बातचीत की। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों जैसे विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, आपदा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, विरासत बहाली, आर्थिक संबंध, रक्षा सहयोग और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री सिफानडोन ने तूफान यागी के बाद लाओ पीडीआर को भारत द्वारा प्रदान की गई बाढ़ राहत सहायता के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। दोनों नेताओं ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा भारत की सहायता से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल वट फू का चल रहा जीर्णोद्धार और संरक्षण द्विपक्षीय संबंधों को एक विशेष आयाम प्रदान करता है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री सिफानडोन ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका की पुष्टि की। भारत ने 2024 के लिए आसियान की अध्यक्षता लाओ पीडीआर को सौंपे जाने का पुरजोर समर्थन किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार वार्ता के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा, प्रसारण, सीमा शुल्क सहयोग और मेकांग-गंगा सहयोग के तहत तीन त्वरित प्रभाव परियोजनाओं (क्यूआईपी) के क्षेत्र में समझौता ज्ञापनों/समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। क्यूआईपी लाओ रामायण की विरासत के संरक्षण, रामायण से संबंधित भित्ति चित्रों के साथ वाट पकेया बौद्ध मंदिर के जीर्णोद्धार और चंपासक प्रांत में रामायण पर छाया कठपुतली थिएटर को समर्थन से संबंधित हैं। तीनों क्यूआईपी में प्रत्येक के लिए लगभग 50 हजार अमेरिकी डॉलर की भारत सरकार की अनुदान सहायता है। भारत लाओ पीडीआर में पोषण सुरक्षा में सुधार के लिए लगभग एक मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता भी देगा। भारत संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के माध्यम से यह सहायता दक्षिण-पूर्व एशिया में कोष की पहली ऐसी परियोजना होगी।

अरब सागर में पिछले माह गिरे आईसीजी हेलीकॉप्टर ध्रुव के पायलट का शव समुद्र से बरामद

अरब सागर में पिछले माह गिरकर डूबे भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव के लापता पायलट इन कमांड का पार्थिव शरीर पोरबंदर से लगभग 55 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्र से बरामद कर लिया गया है। दुर्घटना के दूसरे दिन ही हेलीकॉप्टर का मलबा मिलने के साथ चालक दल के दो सदस्यों के पार्थिव अवशेष समुद्र से बरामद किए गए थे। अब चालक दल के तीसरे सदस्य के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार आईसीजी की परंपराओं और सम्मान के अनुसार किया जाएगा। गुजरात में चक्रवाती मौसम के दौरान बिगड़े हालात में मोटर टैंकर हरि लीला से गंभीर रूप से घायल चालक दल के सदस्य को निकालने के लिए आईसीजी के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) मार्क-III ध्रुव को लगाया गया था। पिछले माह 2 सितंबर की रात लगभग 11.00 बजे मेडिकल निकासी मिशन पर निकले एएलएच हेलीकॉप्टर में दो पायलट और दो गोताखोर सवार थे। जब हेलीकॉप्टर निकासी के लिए पोत के पास पहुंच रहा था, उसी समय 11.15 बजे आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर चालक दल समेत समुद्र में गिरकर डूब गया। इसके बाद चलाये गए सर्च ऑपरेशन के दौरान 03 सितम्बर को हेलीकॉप्टर का मलबा मिल गया और एक गोताखोर को जिंदा बरामद कर लिया गया। इसके बाद आईसीजी ने हेलीकॉप्टर के दोनों लापता पायलटों और एक गोताखोर की तलाश में 04 जहाजों और दो विमानों को लगाया। सर्च ऑपरेशन के दौरान दूसरे दिन ही हेलीकॉप्टर (फ्रेम संख्या सीजी 863) का मलबा बरामद होने के बाद चालक दल के दो सदस्यों कमांडेंट (जेजी) विपिन बाबू और प्रधान नाविक करण सिंह के शव मिल गए। इसके बाद आईसीजी ने अपने एएलएच ध्रुव बेड़े की सुरक्षा जांच के आदेश दिए और घटना की गहन जांच होने तक मल्टी मिशन हेलीकॉप्टरों की उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि तटरक्षक बल के पोरबंदर स्थित 835 स्क्वाड्रन का हेलीकॉप्टर समुद्र में नाक के बल (नोज ड्राइव) गिरा था। आईसीजी ने चालक दल के लापता तीसरे सदस्य की तलाश में व्यापक खोज और बचाव अभियान जारी रखा। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि भारतीय नौसेना और अन्य हितधारकों के साथ लगातार सर्च ऑपरेशन का नतीजा रहा कि मिशन के पायलट इन कमांड कमांडेंट राकेश कुमार राणा का शव 10 अक्टूबर को पोरबंदर से लगभग 55 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में समुद्र से बरामद किया गया है। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार आईसीजी की परंपराओं और सम्मान के अनुसार किया जाएगा।

जद (यू) का अखिलेश पर पलटवार, जेपी के विचारों को अपनाया होता तो सपा पर परिवार का आधिपत्य नहीं होता

नई दिल्ली, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से अलग हो जाने की नसीहत दिए जाने पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार किया और परिवारवाद को लेकर उनपर निशाना साधा।

जद (यू) ने कहा कि समाजवादी विचारक जयप्रकाश नारायण ने जिन जीवन मूल्यों को अपनाया, अगर अखिलेश यादव ने उसका लेस मात्र भी अपनाया होता तो समाजवादी पार्टी पर एक परिवार का संपूर्ण आधिपत्य नहीं होता। इससे पहले, अखिलेश यादव ने लखनऊ में जयप्रकाश नारायण की जयंती पर श्रद्धांजलि देने से समाजवादियों को रोके जाने का आरोप लगाया था और बिहार के मुख्यमंत्री से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत राजग सरकार से समर्थन वापस लेने का आग्रह किया था। यादव बृहस्पतिवार रात जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) पहुंचे थे

और प्रवेश रोकने के लिए टिन की चादरों से मुख्य द्वार बंद करने पर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की आलोचना की थी।

उन्होंने कहा कि बहुत सारे समाजवादी लोग हैं, जो सरकार का हिस्सा हैं और व्यवस्था को चलाने में शामिल हैं।

यादव ने कहा, बिहार के मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) भी समय-समय पर जयप्रकाश नारायण जी के बारे में बात करते रहते हैं, वास्तव में वह जेपी के आंदोलन से ही (एक राजनेता के रूप में) उभरे हैं। यह एक मौका है कि उन्हें उस सरकार से समर्थन वापस ले लेना चाहिए, जो समाजवादियों को जयप्रकाश की जयंती पर उन्हें याद करने से रोक रही है। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने अखिलेश यादव की इस टिप्पणी को हैरतअंगेज करार दिया और नसीहद दी कि उन्हें लोकनायक को केवल श्रद्धांजलि तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा, जीवन मूल्यों के लिए जयप्रकाश नारायण आजीवन संघर्षरत रहे। उन्होंने संपूर्ण क्रांति की अवधारणा दी। उन्होंने परिवारवाद, वंशवाद और व्यवस्था परिवर्तन को लेकर जो आह्वान किया, अगर लेस मात्र भी अखिलेश यादव ने उन जीवन मूल्यों को तरजीह दी होती तो समाजवादी पार्टी पर एक परिवार का संपूर्ण आधिपत्य नहीं दिखता। प्रसाद ने अखिलेश यादव पर जेपी की जयंती के दिन संकीर्ण राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि जहां तक श्रद्धांजलि में रोके जाने का सवाल है तो उन्हें आधी रात के बजाय जयंती के दिन का चयन करना चाहिए था। उन्होंने कहा, ऐसे महामानवों की स्मृति में जब भी कोई दिवस आयोजित किए जाते हैं तो जनता ऐसी संकीर्ण राजनीति पसंद नहीं करती है।

नानाजी देशमुख की जयंती पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी

नानाजी देशमुख की जयंती पर आज पूरे देश में श्रद्धांजलि दी जा रही है। नानाजी का जीवन संकल्प, सेवा और समर्पण का प्रतीक रहा है। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के लिए हमेशा खड़ा होना सीखा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास किए। इस विशेष अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई प्रमुख नेताओं ने नानाजी को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देशवासियों की ओर से भारत रत्न नानाजी देशमुख को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। देश के ग्रामीणों विशेषकर वंचित समाज के सशक्तिकरण के लिए उनके समर्पण और सेवा भाव को हमेशा याद किया जाएगा। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, असंख्य कार्यकताओं के प्रेरणास्रोत और महान संगठनकर्ता नानाजी देशमुख जी ने जनसंघ के माध्यम से न केवल राष्ट्र प्रथम की भावना को सशक्त किया, बल्कि युवाओं को देश हित के कार्यों से जुड़ने और चरित्र निर्माण के लिए प्रेरित भी किया। लोक व्यवहार की गहरी समझ रखने वाले नानाजी देशमुख जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विस्तार में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। त्याग और समर्पण के प्रतीक, भारतरत्न नानाजी देशमुख जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

वाटिका लिमिटेड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी का 15 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाटिका लिमिटेड और अन्य से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली और गुरुग्राम में 15 ठिकानों पर छापा मारा। इस दौरान ईडी ने 200 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों की पहचान की। ईडी ने यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की। ईडी ने 7 अक्तूबर को दोनों शहरों में 400 से अधिक निवेशकों से ठगी के आरोप में छापा मारा था। इन लोगों को बिल्डर क्रेता एजेंटों (बीबीए) में शामिल किया था। इन्हें वाटिका लिमिटेड के वाणिज्यिक प्रोजेक्ट में निवेश करने पर सुनिश्चित रिटर्न का वादा किया गया था, लेकिन न तो कंपनी ने सुनिश्चित रिटर्न दिया और न ही खरीदारों व निवेशकों को वाणिज्यिक यूनिटें ही सौंपी। ईडी ने बताया कि जांच

से पता चला कि वाटिका लिमिटेड ने बीच में ही सुनिश्चित रिटर्न देना बंद कर दिया और फरीदाबाद व गुरुग्राम में विभिन्न परियोजनाओं में संबंधित इकाइयों को भी नहीं सौंपा। पेन ड्राइव, हार्ड ड्राइव लैपटॉप आदि जब्त ईडी ने बताया कि छापे के दौरान खरीदारों के निवेश से संबंधित विभिन्न अहम दस्तावेज और रिकॉर्ड, समूह की कंपनियों द्वारा वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण और पेन ड्राइव, हार्ड ड्राइव, लैपटॉप तथा मोबाइल फोन जैसे डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

लड़कियों को नेतृत्व के समान अवसर मिलने चाहिए केवल नारे लगाने से बदलाव नहीं आ सकता : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि लड़कियों को नेतृत्व करने का समान अवसर मिलना चाहिए और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी शामिल किया जाना चाहिए। खरगे ने जोर देकर कहा कि केवल नारे लगा देने से वास्तविक बदलाव नहीं आ सकता। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास हासिल करने के लिए लैंगिक समानता और न्याय आवश्यक है। खरगे ने कहा, इस वर्ष का विषय है, भविष्य के लिए लड़कियों का दृष्टिकोण, जो लड़कियों की आवाज की ताकत और भविष्य के लिए दृष्टि पर तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता और निरंतर आशा को व्यक्त

करता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को बदलाव की अग्रिम पंक्ति में रखकर, उनकी आवाज को बुलंद करके, उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर और निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करके उन्हें नेतृत्व का समान अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि केवल नारे लगाने से वास्तविक बदलाव नहीं आ सकता। खरगे ने कहा कि लड़कियों की बात सुनना और ऐसे सिद्ध समाधानों में निवेश करना महत्वपूर्ण है, जिससे भविष्य में प्रगति में तेजी आएगी और इससे हर लड़की अपनी क्षमता का पूरा उपयोग कर सकेगी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर, 2011 को बालिकाओं के अधिकारों और दुनिया भर में उनके सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों को मान्यता देने के लिए 11 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया था।अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का उद्देश्य लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने तथा उनके सशक्तीकरण और मानवाधिकारों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना है।

ईएसआई के खुलेंगे अलवर (राजस्थान), बिहटा (बिहार), फरीदाबाद (हरियाणा), जोका (पश्चिम बंगाल), केके नगर (तमिलनाडु), सनथनगर (तेलंगाना) राजाजीनगर (कर्नाटक) में मेडिकल कॉलेज

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की 194वीं बैठक सम्पन्न

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की 194वीं बैठक मुख्यालय में सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने की। इस बैठक में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की कई महत्वपूर्ण योजनाओं की मंजूरी प्रदान की गई। इसमें अंधेरी (महाराष्ट्र), बसईदारापुर (दिल्ली), गुवाहाटी-बेलटोला (असम), इंदौर (मध्य प्रदेश), जयपुर (राजस्थान), लुधियाना (पंजाब), नरोदा-बापूनगर (गुजरात), नोएडा और वाराणसी (उत्तर प्रदेश), रांची (झारखंड) में 10 नए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेजों की खोलने की घोषणा की। संसद द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (क.रा.बी. अधिनियम) के तहत 24 फरवरी, 1952 को भारत में पहली बार दिल्ली और कानपुर में एक साथ कर्मचारी राज्य बीमा निगम की शुरूआत की गई थी। ईएसआईसी द्वारा बीमांकित व्यक्तियों और उनके आश्रितजनों को पूर्ण स्वास्थ्य

देखभाल एवं नकद प्रतिपूर्ति हितलाभ प्रदान करता है। इसके अंतर्गत बीमारी हितलाभ, विस्तारित बीमारी हितलाभ, वर्धित बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्येष्टि व्यय आदि प्रदान करता है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की बैठक में ऐसे बीमांति व्यक्ति जो कंपनी के बंद होने की स्थिति में बेरोजगार हो जाते हैं, उनके लिए 01.07.2018 से दो साल की अवधि के लिए पायलट आधार पर ह्यअटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना पायलट योजना शुरू की गई थी, उसे अब आगामी 30.06.2026 तक बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही इस बैठक में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज अलवर (राजस्थान), बिहटा (बिहार), फरीदाबाद (हरियाणा), जोका (पश्चिम बंगाल), केके नगर (तमिलनाडु), सनथनगर (तेलंगाना) और राजाजीनगर (कर्नाटक) में पैरा-मेडिकल और बीएससी (नर्सिंग) पाठ्यक्रम को मंजूरी दी गई। ईएसआई कॉरपोरेशन की 194वीं बैठक में यह भी निर्णय लिया कि ईएसआई कॉरपोरेशन एम्स द्वारा आयोजित ठडफ्ढएळ के माध्यम से नर्सिंग अधिकारियों की भर्ती के लिए, एम्स भर्ती नीति के अनुरूप नर्सिंग अधिकारी के पद के लिए भर्ती की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि ईएसआईसी अस्पतालों/कॉलेजों और डिस्पेंसरियों में नर्सों की कोई कमी या रिक्तियां नहीं होंगी। बीमित श्रमिकों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ईएसआईसी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के बाद, निगम ने गुंटूर, आंध्र प्रदेश में 100 बिस्तरों वाला ईएसआई अस्पताल, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में 01 डॉक्टर डिस्पेंसरी, प्रतापगढ, उत्तर प्रदेश में डीसीबीओ, पुणे, महाराष्ट्र में 350 बिस्तरों वाला ईएसआई अस्पताल, धुबरी, असम में ईएसआई डिस्पेंसरी और शाखा कार्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार में 100 बिस्तरों वाला ईएसआई अस्पताल, औरैया, उत्तर प्रदेश में डीसीबीओ की परियोजनाओं के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के नोएडा में सेक्टर-56 में ईएसआईसी आवासीय कॉलोनी में 717 नए स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। ईएसआई निगम की 194वीं बैठक में सुश्री डोला सेन, संसद सदस्य (राज्यसभा), प्रवीण खंडेलवाल, संसद सदस्य (लोकसभा), एन.के. प्रेमचंद्रन, संसद सदस्य (लोकसभा) ने भाग लिया।

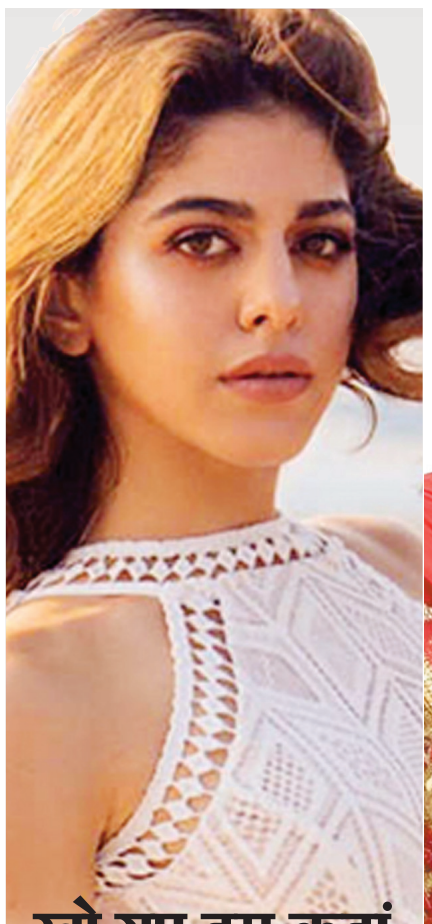

खो गए हम कहां की सीक्वल से जुड़ीं अलाया एफ

अलाया एफ ने स्क्रीन पर कई भूमिकाएं निभाई हैं और बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता है। अभिनेत्री ने फिल्म जवानी जानेमन से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया और फ्रेडी, बड़े मियां छोटे मियां और श्रीकांत जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय किया। प्रशंसक, अलाया की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री के वर्कफ्रंट पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

फिल्म खो गए हम कहां की सीक्वल में अलाया एफ की संभावित भागीदारी के बारे में अटकलें तेज हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अलाया एफ खो गए हम कहां के सीक्वल में नजर आएंगी। अगली कड़ी में वह सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हालांकि, अब तक इस खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। अर्जुन वरैन सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म खो गए हम कहां में सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म तीन दोस्तों की कहानी है जो सोशल मीडिया के दबाव के बावजूद अपने लक्ष्य और रिश्तों को आगे बढ़ाते हैं। खो गए हम कहां में कल्कि केकलां, आन्या सिंह और रोहन गुरबक्सानी भी सहायक भूमिकाओं में हैं।

अलाया एफ ने एक हालिया इंटरव्यू में करियर पर चर्चा की और विश्वसनीय व्यक्तियों से ईमानदार प्रतिक्रिया प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ऐसे लोगों से राय लेना जो न सिर्फ आपसे मीठी-मीठी बातें करेंगे बल्कि आपका मार्गदर्शन भी करेंगे, मेरे लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है। इस साल, अलाया एफ ने दो बैक-टू-बैक शानदार प्रदर्शन दिए। अभिनेत्री ने बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया और श्रीकांत में राजकुमार राव के साथ दिखाई दीं। इन प्रभावशाली प्रदर्शनों के साथ, अलाया एफ ने निश्चित रूप से अपनी आगामी फिल्मों के बारे में प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

साउथ फिल्म से डेब्यू कर बॉलीवुड में छाईं रकुल

साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह रकुल प्रीत सिंह अपना जन्मदिन मना रही हैं। रकुल ने हमेशा से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखा था। उन्होंने पढ़ाई पूरी करने से पहले ही 18 वर्ष की आयु में मॉडल के रूप में अपना सफर शुरू कर दिया था। इसके अलावा रकुल राष्ट्रीय स्तर पर गोल्फ भी खेल चुकी है।

रकुल ने छोटी उम्र मे ही अपने करियर की शुरुआत की थी। 18 वर्ष की उम्र में मॉडलिंग शुरू करने के बाद उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2009 में एक कन्नड़ फिल्म गिल्ली से की। रकुल ने इसके बाद फिल्म से ब्रेक लेकर अपनी पढ़ाई पूरी करने का फैसला किया। 2011 में रकुल ने अपनी पढ़ाई पूरी कर एक बार फिर फिल्मों में कदम रखा और रकुल का वह कदम काफी रोमांचक रहा। अभिनेत्री को तेलुगू फिल्म में काम करने का मौका मिल गया। उन्हें 2012 के तमिल फिल्म ठदाईयारा थाक्का में सहायक किरदार निभाने का मौका मिला। 2013 में उन्हें तमिल फिल्म पुथगम और तेलुगू फिल्म वेंकटद्री एक्सप्रेस में लिया गया और दोनों ही फिल्में कमाई करने में सफल रहीं। इसी के साथ उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का 61वां फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

रकुल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था की बचपन से उनका सपना हिंदी फिल्मों में ही करियर बनाना था। उनका साउथ में काम करना एक खूबसूरत इत्तेफाक है। साउथ सिनेमा में अपना परचम लहराने के बाद रकुल ने 2014 में फिल्म यारियां से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद रकुल ने अपने शानदार अभिनय से बॉलीवुड में अपनी अलग जगह बनाई। रकुल बॉलीवुड की दे दे प्यार दे, अटैक, थैंक गॉड, कटपुतली, अय्यारी जैसी अन्य फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। रकुल प्रीत की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। उन्होंने हाल ही में जैकी भगनानी के साथ लव मैरिज की है।

विकास बहल की फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस फरमाएंगी वामिका गब्बी

क्वीन और सुपर 30 जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके विकास बहल की अगली फिल्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक बिना शीर्षक वाली इस फिल्म में कथित तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी, वामिका गब्बी और अनुभवी अभिनेत्री जया बच्चन मुख्य भूमिका में होंगी। फिल्म गोवा में सेट है और एक पुराने घर के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक सार्वजनिक गली में बदल जाता है।

टी-सीरीज बैनर के तहत होगा फिल्म का निर्माण

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का निर्माण भूषण कुमार द्वारा अपने टी-सीरीज बैनर के तहत किया जा रहा है। बहल के साथ कुमार का यह पहला सहयोग है, जिन्होंने हाल ही में बॉक्स-ऑफिस हिट शैतान में अजय देवगन को निर्देशित किया था। इस पारिवारिक मनोरंजन फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और वामिका गब्बी के बीच रोमांटिक एंगल देखने को मिलेगा, जबकि जया बच्चन कथित तौर पर गब्बी की मां की भूमिका निभाएंगी।

सिद्धांत चतुर्वेदी की पाइपलाइन में कई बेहतरीन प्रोजेक्ट्स

बहल की फिल्म का शूटिंग शेड्यूल अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इस साल के अंत तक इसके शुरू होने की उम्मीद है। यह सिद्धांत चतुर्वेदी और वामिका गब्बी की उपलब्धता पर निर्भर है, जो वर्तमान में कई फिल्मों में व्यस्त हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी, संजय लीला भंसाली की म्यूजिकल रोमांस तुम ही हो में व्यस्त हैं और फरवरी 2025 में धर्मा प्रोडक्शंस की धड़क 2 आने वाली है।

वामिका गब्बी का वर्कफ्रंट

विक्रमादित्य मोटवानी की जुबली और डिज्नी+हॉटस्टार के ग्रहण में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वालीं वामिका गब्बी, वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का हिस्सा हैं। वह राज एंड डीके की फंतासी नेटफ्लिक्स सीरीज रक्त ब्रह्मांड की शूटिंग भी फिर से शुरू करेंगी।

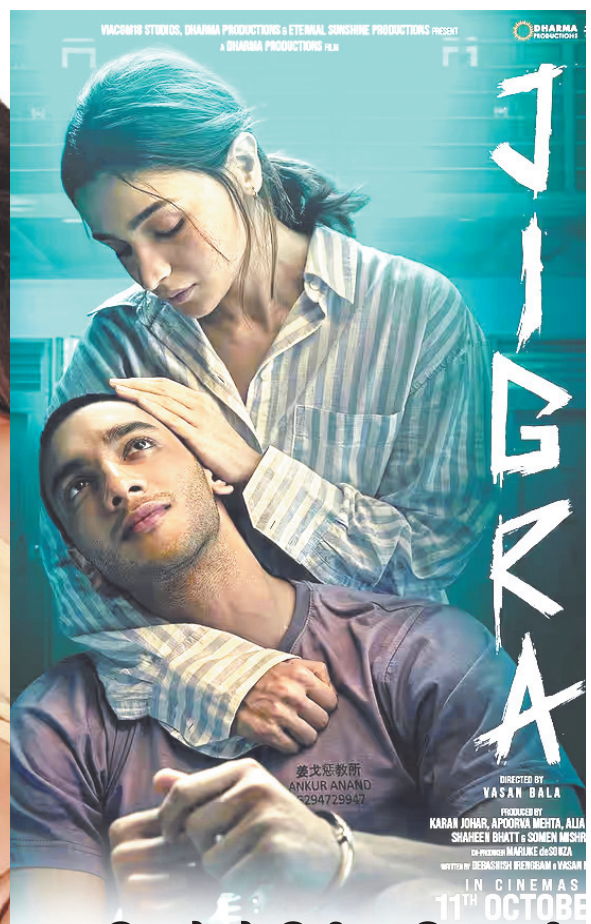

विवादों में घिरी आलिया की फिल्म जिगरा, दिव्या खोसला कुमार की टीम ने लगाया कहानी चोरी करने का आरोप

शुक्रवार का आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा रिलीज होने वाली है। फिल्म भाई और बहन के रिश्ते पर आधारित एक भावनात्मक रूप से बेहद गहन फिल्म होने वाली है। हालांकि, रिलीज से एक दिन पहले फिल्म विवादों में घिरती नजर आ रही है। अभिनेत्री दिव्या खोसला की पीआर टीम ने एक नोट साझा करते हुए आरोप लगाया कि आलिया ने उनकी फिल्म की स्क्रिप्ट चुराई और वसन बाला तथा धर्मा प्रोडक्शन के साथ मिलकर कुछ बदलाव करते हुए उसे जिगरा के रूप में सामने लाए हैं।

जिगरा पर सावी की कहानी चुराने का आरोप

दिव्या खोसला की टीम की तरफ से जारी किए गए नोट में कहा गया है कि असल में जिगरा उनकी फिल्म सावी की चोरी की गई कहानी पर आधारित है। नोट में कहा गया है कि मुकेश भट्ट ने द नेक्स्ट थ्री डेज के अधिकार 4 करोड़ में खरीदे थे। उस समय दोनों भट्ट भाई साथ थे और आलिया को इस बारे में पता था। भट्ट भाइयों के अलग होने के बाद आलिया ने अपने चाचा की परवाह किए बिना स्क्रीनप्ले दूसरे प्रोडक्शन हाउस को दे दिया, जो इस वजह से राइट्स पर खर्च किए गए सारे पैसे खो देंगे। इसमें आगे कहा गया कि मुकेश भट्ट, दिव्या खोसला को मुख्य भूमिका में लेकर फिल्म बना रहे थे। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि आलिया ने जेल ब्रेक की कहानी पर आधारित उसी फिल्म की घोषणा की है, जिसमें पति-पत्नी के एंगल को भाई-बहन के एंगल में बदल दिया गया है। नोट में कहा गया, आलिया खुद को देश की सबसे बड़ी अभिनेत्री कहती हैं, लेकिन अपने 72 वर्षीय चाचा को धोखा देने से पहले नहीं सोचतीं। बता दें कि सावी कुछ समय पहले रिलीज हुई है, जबकि जिगरा जल्द ही रिलीज होगी। बात करें फिल्म की, तो ये 11 अक्तूबर को रिलीज होने वाली है।

खोसला का घोसला का सीक्वल बनाने के लिए तैयार निर्माता! रणवीर शौरी ने किया खुलासा

खोसला का घोसला 18 साल पहले रिलीज हुई थी और आज तक इसे सिनेमा प्रेमियों द्वारा पसंद किया जा रहा है। खोसला का घोसला के निर्माता और कलाकारों ने प्रशंसकों को अचंभित कर दिया, जब वे 18 अक्तूबर को फिर फिल्म के दोबारा रिलीज होने से फैंस से मिले और सीक्वल बनने की जानकारी दी। हाल ही में खोसला का घोसला की टीम फिर से एकजुट हुई और फिल्म की यादों से बंध गई। उन्होंने 18 अक्तूबर को फिल्म की फिर से रिलीज होने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया। रणवीर शौरी ने पुरानी यादों को ताजा किया और साझा किया कि कैसे फिल्म ने वर्षों में कल्ट का दर्जा हासिल किया। अभिनेता रणवीर शौरी से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि इस समय कागज पर कुछ भी नहीं है। सीक्वल के बारे में कुछ भी पक्का नहीं है। फिल्म निर्माताओं ने एक इंटरव्यू में यह बात रखी। फिल्म निर्माताओं ने पत्रकारों से कहा की वह कलाकारों से पूछें कि क्या अगली कड़ी में कलाकार अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए उत्सुक होंगे। इस पर रणवीर शौरी ने कहा, बेशक। सही वक्त को देखते हुए निश्चित रूप से मैं इसे पसंद करूंगा।

भूमिका पर क्या बोले रणवीर

रणवीर शौरी ने एक इंटरव्यू में कहा, यह मेरी शुरुआती भूमिकाओं में से एक थी, जिसने मुझे एक अभिनेता के रूप में पहचान दी है, इसलिए यह बहुत खास है। इसके रिलीज होने का इंतजार करने से मुझे एक सबक मिला, जो मेरे जीवन में आज तक जारी है। यह बहुत अच्छा है कि खोसला का घोसला। फिर से रिलीज होगी और एक नई पीढ़ी को यह देखने को मिलेगा, क्योंकि जब फिल्म सबसे पहले बाहर आई, इसे वितरण और प्रदर्शनी खोजने में बड़ी कठिनाई हुई। अब, 18 साल बाद उनके द्वारा इसका स्वागत किया जा रहा है।

फरदीन खान ने अपने बच्चों के साथ हाउसफुल 5 के संवादों का किया अभ्यास

फरदीन खान ने अपने बच्चों डायनी और अजारियस के साथ बेहद ही शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं, जिनमें फरदीन अपने दोनों बच्चों के साथ फिल्म हाउसफुल 5 के संवादों का अभ्यास करते नजर आ रहे हैं। फरदीन की इस पोस्ट पर सिंघम अगेन अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक प्यारी प्रतिक्रिया दी है। फरदीन खान इन दिनों मल्टीस्टारर फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म की शूटिंग फ्रांस और स्पेन में हो रही है। एक दिल को छू लेने वाली पोस्ट में फरदीन अपने बच्चों डायनी और अजारियस के साथ अपने रिहर्सल सेशन की झलक दिखाई है। कुछ ही देर पहले फरदीन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इस मल्टी-पिक्चर पोस्ट की शुरुआत में वह अपनी बेटी के साथ अपने संवादों का अभ्यास करते हुए नजर आए। डायनी को स्क्रिप्ट पकड़े हुए देखा गया, जबकि अभिनेता ने संवाद सुनाए। इसके बाद की तस्वीरों में अजारियस को उनके साथ शामिल होते और मस्ती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। फरदीन ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, किसने कहा कि काम मजेदार नहीं हो सकता? अपने बच्चों को ऑफिस ले गया। मेरी बेटी मेरे साथ संवादों का अभ्यास कर रही थी। मेरा बेटा सबसे ज्यादा खुश था। फरदीन के इस पोस्ट पर अर्जुन कपूर ने प्रतिक्रिया देते हुए लाल दिल वाला इमोजी पोस्ट किया। फरदीन खान ने 2005 से दिग्गज अभिनेत्री मुमताज की बेटी नताशा माधवानी से शादी की थी। शादी के बाद 2012 और 2017 में अपने बच्चों डायनी और अजेरियस का स्वागत किया। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित, हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख , रंजीत, जॉनी लीवर, डिनो मोरिया, जॉनी लीवर, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा और दिशा पाटनी जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। साजिद नाडियाडवाला द्वारा अपने बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एमटीवी यूरोप म्यूजिक अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुए सिंगर अरमान मलिक

गायक-गीतकार अरमान मलिक को एमटीवी यूरोप म्यूजिक अवॉर्ड्स में लगातार तीसरी बार नॉमिनेट किया गया है। अरमान मलिक को बेस्ट इंडिया सिंगल एक्ट की कैटेगरी में उनके सॉन्ग ऑलवेज के लिए नॉमिनेट किया गया है। इसमें उनके साथ ब्रिटिश गायक-गीतकार कैलम स्कॉट भी शामिल हैं। अरमान ने कहा, एमटीवी यूरोप म्यूजिक अवॉर्ड्स के बेस्ट इंडिया एक्ट के लिए एक बार फिर नॉमिनेट होने पर मैं बेहद खुश हूं। इससे पहले दो बार यह सम्मान जीतने के बाद लगातार तीसरा नॉमिनेशन पाना विशेष रूप से अच्छा है। एक भारतीय कलाकार के रूप में इस तरह के प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना विनम्र और वास्तविक है। मेरे साथ कई बेहतरीन कलाकार हैं और मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। अब, यह प्रशंसकों और एमटीवी ईएमए मतदाताओं के लिए है। यह तीसरी बार है, जब मलिक को पिछले 4 वर्षों में इस पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। इससे पहले उन्होंने 2020 में अपने डेब्यू इंग्लिश सिंगल कंट्रोल और 2022 में अपने इंग्लिश सिंगल यू के लिए बेस्ट इंडिया एक्ट में एमटीवी यूरोप म्यूजिक अवॉर्ड जीता था। बता दें कि अरमान मलिक हमेशा गायकी में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। गायक ने आधिकारिक तौर पर बेस्ट पॉप डुओ या ग्रुप परफॉरमेंस, सॉन्ग ऑफ द ईयर और रिकॉर्ड ऑफ द ईयर की तीन कैटेगरी में ट्रैक भी प्रस्तुत किया है।

हरियाणा : बैकफुट पर भाजपा

90 विधानसभा सीटों वाला हरियाणा प्रदेश आगामी 5 अक्टूबर को विधानसभा के आम चुनावों का सामना करने जा रहा है। गत वर्षों में हुये किसान आंदोलनों में अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाला हरियाणा, किसान आंदोलनों के बाद पहली बार विधानसभा चुनावों से रूबरू होने जा रहा है। चूंकि हरियाणा विगत दस वर्षों से भाजपा शासित राज्य रहा है इसलिये यहाँ की हरियाणा सरकार पर ही यह सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी कि किसान आंदोलन के दौरान राज्य सरकार किसी भी तरह से दिल्ली जाने की गरज से पंजाब से आने वाले किसानों को भी हरियाणा में प्रवेश करने से रोके और साथ ही हरियाणा -दिल्ली सीमा पर इन्हें दिल्ली प्रवेश से भी रोके। जाहिर है हरियाणा की तत्कालीन खट्टर सरकार ने केंद्र की उम्मीदों पर खरा उतारते हुये ऐसा ही किया। खट्टर सरकार को राज्य की पंजाब व दिल्ली की सीमाओं पर भारी पुलिस तैनाती करनी पड़ी। किसानों पर लाठी चार्ज, आंसू गैस, वाटर केनन का इस्तेमाल किया। यहाँ तक कि गोलियां भी चलानी पड़ीं। इसी गोलीबारी में कई लोग घायल हुये और एक युवा किसान की हत्या भी हो गयी। परन्तु किसानों से की गयी इस जोर आजमाइश के कारण भाजपा की राज्य व केंद्र सरकार को भारी किसान असंतोष का सामना भी करना पड़ा। किसानों की नाराजगी पिछले दिनों हुये लोकसभा 2024 के चुनाव में ही स्पष्ट हो गयी थी। क्योंकि जिस हरियाणा में 2019 में भाजपा को राज्य की सभी दस लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी वहीँ इस बार 2024 के चुनाव में उसे 5 सीटें ही मिल सकीं जबकि कांग्रेस भाजपा से 5 सीटें झटकने में कामयाब रही। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव से पूर्व मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर केंद्र में भी इसी मकसद से ले जाया गया है ताकि शायद किसानों का गुस्सा कुछ कम हो सके। गौरतलब है कि खट्टर के मुख्यमंत्री रहते उनकी सरकार ने कई बार न केवल किसानों पर दमनात्मक कार्रवाई की थी बल्कि स्वयं खट्टर ने ही अपने समर्थकों को किसानों के विरुद्ध हिंसा करने के लिये भी भड़काया था। आज भी हरियाणा सरकार ने शंभु बॉर्डर पर किसानों को रोकने के लिये बैरियर बना रखे हैं जिसकी वजह से राजस्थान, कश्मीर व पंजाब की तरफ से दिल्ली हरियाणा व उत्तर प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों को भारी परेशानी व जाम का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दस वर्षों की सत्ता विरोधी लहर होने के साथ ही इस बार चुनावों में भाजपा के महिला सुरक्षा के दावे और उसकी हक़ीकत भी एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। खास तौर पर ऐसे वक़्त में जब देश का विश्व में नाम रोशन करने वाली विश्व प्रसिद्ध पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया जैसे ओलम्पियंस कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। विनेश फोगाट को राज्य की जुलाना विधानसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी घोषित किया गया है जबकि बजरंग पुनिया को किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर उन्हें संगठन में और भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। जहाँ किसान नेता, भाजपा सांसद व कुश्ती महासंघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ उसके नारी शोषण के विरुद्ध किये जा रहे आंदोलन में इन ओलम्पियन्स के साथ खड़े थे वहीँ यह ओलम्पियन्स भी किसान आंदोलन का समर्थन करते देखे गये थे। क्योंकि यह पहलवान भी दरअसल किसान घरानों से ही आते हैं और किसानों की जायज मांगों से बखूबी वाकिफ हैं। हालाँकि इन खिलाड़ियों के कांग्रेस का दामन थामने के बाद बृज भूषण सिंह ने जोर शोर से यह कहना शुरू कर दिया है कि पहलवानों द्वारा उनके विरुद्ध शोषण का आरोप लगाना कांग्रेस द्वारा दो वर्ष पूर्व लिखी गयी स्क्रिप्ट का हिस्सा थी। राज्य में भाजपा पर कांग्रेस की जबरदस्त बढ़त के दो और भी कारण हैं। एक तो यह कि राहुल गाँधी द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक तय की गयी भारत जोड़ो यात्रा, हरियाणा से होकर गुजरी थी। इस यात्रा ने न केवल राज्य के मतदाताओं पर अपना प्रभाव छोड़ा था बल्कि राज्य के कांग्रेस जनों में भी जोश व उत्साह का संचार किया था। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव में 5 सीटें जीतने के रूप में सामने भी आया। अब जहां कांग्रेस 5 लोकसभा सदस्यों की जीत के साथ बुलंद हौसले से चुनाव मैदान में है वहीं भाजपा जिताऊ उम्मीदवार मैदान में उतारने के चक्कर में न केवल कई दलबदलुओं को भाजपा प्रत्याशी बना रही है बल्कि परिवारवाद के विरुद्ध लंबे चौड़े प्रवचन देने के बावजूद खुद भी कई ह्यपरिवारवादी सूरमाओंह्ण पर दांव लगा रही है। क्योंकि भाजपा को अपने दल में योग्य व जिताऊ नेताओं की कमी महसूस हो रही है। इसी उधेड़बुन में भाजपा ने पिछले दिनों राज्य में 67 पार्टी प्रत्याशियों की जो पहली सूची जारी की उसमें रणजीत चौटाला जैसे मंत्री सहित 9 वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिये गये। परिणाम स्वरूप भाजपा में पद व दल से नेताओं के इस्तीफे की झड़ी लग गयी। इस भगदड़ में कोई भाजपाई किसी दूसरे दल में टिकट के लिये ताकझांक कर रहा है

बलात्कार के दोषी को फांसी की सजा

आजकल एक हवा चली है कि कोई भी आपराधिक घटना हो जाए और मामला किसी पार्टी या संगठन से जुड़े व्यक्ति का हो तो तुरंत ही चक्काजाम या थाने का घेराव होना लाजमी है! और मामला बलात्कार का हो या लड़की को अगवा करने का हो तब तो फौरी इंसाफ की बात होती है। मामला यह हो जाता है कि आरोपी को भीड़ अपराधी घोषित कर देती है। भले ही कोई सबूत हो या ना हो !इसमें राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों की भी भूमिका कम नहीं, वे भी आग में घी डालने का काम करते हैं, बशर्ते सरकार उनके विरोधी की हो। जैसा कि बंगाल के कलकत्ता में हुआ। हालत इतने उलझ गए कि बंगाल की विधानसभा में ममता सरकार ने एक कानून ही पारित कर दिया कि बलात्कार के दोषी को फांसी की सजा दी जाए। अब सरकार में विधि सचिव की बुद्धि और ज्ञान सब कुछ मंत्री के आदेश के सामने लाचार हो गए। दिल्ली में हुए निर्भया कांड में भी जनता ने (राजनीतिक दलों नहीं लेने दिया गया था) ऐसी ही मांग रखी थी। केंद्र ने भी जनता की मांग पर सुप्रीम कोर्ट के सेवा निव्रत प्रधान न्यायाधीश वर्मा की अध्यक्षता मे एकल सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उन्होंने अपनी सम्मति में लिखा था कि आरोपी के लिए निर्धारित प्रक्रिया से ही अपराधी घोषित किया जा सकता है, तब ही उसे सजा दी जा सकती है। निर्भय कांड मे दोषियों को सजा ह्यफांसीह्ण सालों बाद दी जा सकी। लिखने का तात्पर्य यह है कि दोषियों की गिरफ्तारी और जल्दी सुनवाई की मांग तो की जा सकती है और उसे सरकार पूरा भी कर सकती है, पर सरकार किसी भी कानून द्वारा आरोपी को सजा नहीं दे सकती। अब यह स्थिति सभी राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को मालूम भी होती है, परंतु राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए वे अपने भाषणों में आरोपियों को तुरंत लटकाये जाने की मांग करते रहते हैं। अब ऐसे नेताओं से कौन पूछे कि किस विधि से आंदोलनकारियों की मांग को तुरंत पूरा किया जा सकता है? वे कभी भी इस सवाल का जवाब नहीं दे पाएंगे। क्यूंकि भारत में न्याय की एक प्रक्रिया है जो सभी देश के नागरिकों पर लागू होती है। अदालत के 4 चरण होते है, पहला मजिस्टरेयत फिर सेशन कोर्ट तब हाई कोर्ट और अंत में सुप्रीम कोर्ट। सेशन कोर्ट दोषों को फांसी की सजा सुना तो सकता है परंतु उस पर मुहर हाई कोर्ट को लगाना जरूरी है। अर्थात हाई कोर्ट तक मामले की सुनवाई तो होगी ही। अब आंदोलनकारियों की मांग को पूरा करने के लिए इन अदालतों को सभी काम छोड़कर उस एक मामले की सुनवाई के लिए तैयार बैठे! ऐसा हो नहीं सकता क्यूंकि यह संभव ही नहीं असंभव ही है। तब बार क्यू दोषी को तुरंत फांसी देने का आश्वासन और कानून? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ओक ने अभी अपने एक भाषण में कहा भी है कि भीड को तुरंत न्याय देने के बयञ्चान बिल्कुल गलत है। यह न्याय प्रक्रिया को चोट पँहुचाते हैं। तो यह है सुप्रीम कोर्ट की रॉय। हाँ हरियाणा में पाँच युवकों ने जिन्हे गौ रक्षक बताया जा रहा है उन्होंने एक कार में सवार परिवार पर इसलिए गोलियां बरसा कर एक युवक की हत्या कर दी, क्यूंकि उनके अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि कर में गौ तस्कर घूम रहे हैं। इसलिए उन्होंने कार का पीछा कर के चलती कार पर गोली वर्षा कर दी! अब दो सवाल है कि यह गौ तस्कर क्या होते हैं? दूसरे गए की तस्करी किस प्रकार की जा सकती है? हरियाणा की हिंदुवादी सरकार का रिकार्ड काफी खराब रहा है, गाय के परिवहन को गाय की तस्करी बता कर मुस्लिम लोगों को मारने -पीटने और यंहां तक कि उनकी हत्या करने का भी मामला चल चुका है। जब राजस्थान के चार मुस्लिम ग्वालों को पीट -पीट कर मारने का। अदालत में इस मुकदमे में हरियाणा सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। यंहा सवाल यह है कि पुलिस को तो पूछने का जांच करने का अधिकार है पर इन गौ भक्तों को किसी की तलाशी लेने या पूछने का अधिकार कहां से मिल गया। जरूर ही सरकार की शह पर पुलिस को पंगु बना कर विधि के राज को असफल करने का मामला हैं।

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

मुफ्त उपहार के मामले में कोई भी देश पीछे नहीं है। ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, मलेशिया, कनाडा, अंगोला, कीनिया, कांगो, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देश इस दौड़ में शामिल हैं। विकसित देश जहां अपनी जीडीपी का 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक लोककल्याण योजनाओं में खर्च करते हैं, तो विकासशील देश जीडीपी का 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक फ्रीबीज के नाम पर खर्च कर देते हैं। भारत में अब जब न्यायालय की चौखट पर यह मुद्दा विचाराधीन है, तो संभावना है कि सरकार पर अनावश्यक आर्थिक भार डालने वाली घोषणाओं पर नियंत्रण को लेकर कोई राह भारत ही दुनिया को दिखाए।

ललित गर्ग
लेखक

दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर ह्यरेवड़ी कल्चरह्ण पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुफ्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है।

कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली, आर्थिक असंतुलन एवं आर्थिक अनुशासनहीनता की तस्वीर ही उकेरता है। दिल्ली से लेकर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारें हों या हिमाचल प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकारें तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर भले ही वोट बैंक को अपने पक्ष में करने का स्वार्थी खेल खेला जा रहा हो, लेकिन इससे वित्तीय बजट लडखड़ाने ने इन राज्यों के लिये गंभीर चुनौती बन रहा हैं।

दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसका आर्थिक संतुलन कभी नहीं संभल पाता। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। ये और ऐसी ही अन्य मुफ्त सुविधाओं की भरमार के कारण सरकारों के सामने अपने कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिये वित्तीय संकट है, जबकि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई आदि समय पर चुकाने में दिक्कत हो रही है। इन जटिल होते हालातों को देखते हुए अपेक्षा है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति एवं मुफ्त की संस्कृति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। जब भी ऐसी लोक-लुभावन घोषणाएं की जाती हैं तो उन दलों को अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। जनता को गुमराह करते हुए, उन्हें ठगते हुए देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है-अक्सर करों अथवा उपकरों के रूप में। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मुफ्त रेवड़ियां देने के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि कई राज्यों ने अपनी वित्तीय स्थिति की अनदेखी करते हुए मुफ्त की सुविधाएं देने का वादा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। पंजाब में महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा हुई, जबकि वहां की महिलाएं समृद्ध है। दिल्ली में उन महिलाओं को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल 15 करोड़ रुपये तक का नुकसान होगा। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। मुफ्तखोरी की राजनीति से देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का खतरा है। और इसके साथ निष्क्रियता एवं अकर्मण्यता को बल मिलेगा। हिंदुस्तान में लोगों को बहुत कम में जीवन निर्वहन करने की आदत है ऐसे में जब मुफ्त राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा मिलेगा तो काम क्यों करेंगे।

ह्यगरीब की थाली में पुलाव आ गया है, लगता है शहर में चुनाव आ गया हैह्ण भारत की राजनीति से जुड़ी विसंगतियों एवं विडम्बनाओं पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं। चुनाव आते ही वोटरों को लुभाने के लिए जिस तरह राजनीतिक दल और उनके नेता वायदों की बरसात करते हैं, यह शासन-व्यवस्थाओं को गहन अंधेरों में धकेल देता है। मुफ्त की संस्कृति को कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकी जाती रही है। भारत जैसे विकासशील देश के लिये यह मुक्त संस्कृति एक अभिशाप बनती जा रही है। सच भी है कि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं।

कब पीछा छोड़ेगा ये 370 का आंकड़ा?

देश--काल परिस्थितियों में भी तेजी से तब्दीली आ रही है। सबसे बड़ी बात ये कि भाजपा अपने आपको समय के हिसाब से ढाल नहीं पा रही। भाजपा आज भी हिन्दू-मुसलमान पर अड़ी है। भाजपा के संल्प पत्र में भी यही हुआ। घाटी के लिए भाजपा ने ऐसी एक भी योजना नहीं बनाई जो वहां के किसी मुस्लिम नेता के नाम पर हो। हम तो रामसेवक लोग है। मानते हैं कि- -हुईए वही जो राम रची रखा। को कहि तक बढ़ावहि साखा।।

राकेश अचल
लेखक

कुछ चीजें जाने-अनजाने गले पड़ जातीं हैं तो पीछा नहीं छोड़तीं, ठीक उसी तरह जिस तरह की कुछ भूत मरने-मारने के बावजूद सर से नहीं उतरते। उन्हें उतरने के लिए लम्बी प्रतीक्षा करना पड़ती है। अनचाही चीजों से पिंड छुड़ाने के लिए भी लम्बी मशक्कत करना पड़ती है। इस समय भाजपा के सिर पर दस साल से कांग्रेस का भूत और गले में धारा 370 हड्डी की तरह फंसी हुई है।

तीसरी बार देश की सत्ता में आई भाजपा के साथ पहली बार मेरी सहानुभूति उमड़ रही है। आखिर भाजपा ने सत्ता में आने के लिए, एक नया युग (मोदी युग) शुरू करने के लिए बहुत पापड बेले तब कहीं जाकर 34 साल बाद सत्ता में आयी थी। दुर्भाग्य ये है कि भाजपा लगातार पापड़ बेल रही है, लेकिन खुद खा नहीं पा रही। जिस धारा 370 को हटाने में भाजपा को एक लम्बी यात्रा करना पड़ी। वो ही धारा 370 अब फिर से जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के आते ही एक बार फिर गले पड़ गयी है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष कह रहा है कि यदि राज्य मुं भाजपा सत्ता में न आयी तो जम्मू-कश्मीर को धारा 370 फिर से लौटा दी जाएगी।

आपको याद होगा कि चार महीने पहले ही सम्पन्न आम चुनावों में भाजपा ने अपने लिए 370 और अपने गठबंधन के लिए 400 पार का लक्ष्य रखा था, किन्तु देश की जनता ने भाजपा को दोनों ही लक्ष्य पूरे नहीं करने दिए। भाजपा 240 पर ही अटक गयी। भाजपा ने जैसे-तैसे इस दर्द को, इस आंकड़े को भुलाने की कोशिश की थी किन्तु जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव घोषित होते ही समूचे विपक्ष ने एक बार फिर धारा 370 की वापसी का राग अलापकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दीं है। मुश्किलें कम करने और मुश्किलें बढ़ाने में बड़ा अंतर है। भाजपा को लगा कि धारा 370 हटाने के बाद सीमा पर कर किसी खाई में गिरकर मर गयी होगी, लेकिन ऐसानहीं हुआ। वो तो जहाँ थी, वहीं आज भी है, केवल उसे जम्मू-कश्मीर से हटा दिया गया था।

गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी से सवाल करते हुए पूछा कि यह दर्जा कौन वापस दे सकता है? यह दर्जा तो सिर्फ भारत सरकार दे सकती है, प्रधानमंत्री दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बाबा मन्हास के मंदिर की कसम खाकर कहता हूं कि हम आपको 370 वापस नहीं लाने देंगे। आपको दलित और गुज्जर बकरवाल भाइयों के रिजर्वेशन को समाप्त नहीं करने देंगे। अपने पुराने सियासी कश्मीरी दोस्तों को इंगित कर अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार ने जम्मू कश्मीर को लूटा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और फारूक अब्दुल्ला को मत जिताना नहीं तो जम्मू कश्मीर का विकास रुक जाएगा। जम्मू कश्मीर के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक ध्वज, एक संविधान के तहत पहला चुनाव हो रहा है।

कांग्रेस तो छोड़िये अब जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम रहे उमर अब्दुल्ला ने गृह मंत्री अमित शाह को सीधा चैलेंज देते हुए आर्टिकल 370 को वापस लाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि हम चुनाव जीते तो अनुच्छेद 370 को दोबारा लागू करेंगे। इसके लिए वक्त लगेगा, लेकिन यह होकर रहेगा। 370 हटने के बाद जब जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव पहली बार होने जा रहे हैं तब इसकी गूंज और जोर से सुनाई पड़ रही है।

हमें पता हैं कि धारा 370 को हटाना न आसान था और अब तो दोबारा लागू करना और भी मुश्किल है। इसीलिए मई मुश्किल शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूँ, असम्भव का नहीं। आपको याद होगा कि तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 5 अगस्त 2019 को सीओ 272 जारी किया था। राष्ट्रपति का यह वह आदेश था जिसके जरिए संविधान के अनुच्छेद 367 को संशोधित किया गया। इसमें कहा गया कि अनुच्छेद 370 (3) में उल्लेखित संविधान सभा की जगह इसे विधानसभा कहा जाएगा। इससे ही 370 हटाने का रास्ता साफ हुआ। लेकिन भाजपा ने धारा 370 को संविधान से विलोपित शायद नहीं किया है, और अब शायद ऐसा करने का समय भी नहीं है और कूबत भी नहीं है। इसलिए इस धारा को लेकर जम्मू -कश्मीर का अवाम देश की मुख्यधारा में वापस आएगा या नहीं, इसमें संदेह है।

हम धाराओं के साथ बहने वाले लोग नहीं है। हमें धारा के विपरीत अपना रास्ता तय करने की आदत है, लेकिन हमें फिक्र भाजपा की है, उसके तनाव की है और उसकी चुनौतियों की है, क्योंकि पार्टी का नेतृत्व बूढ़ा हो चुका है। नेतृत्व को लेकर असंख्य विवाद भी हैं।

विस्फोटक के ऊपर बैठी दुनिया के चारों ओर आंतकी जमातें

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश-दुनिया में कट्टरपंथियों की जमातें ईश निंदा के आरोप लगाकर निरंतर हमलों को अंजाम दे रही है। शरिया कानून मानने वाले राष्ट्रों के अलावा अन्य गणतंत्र देशों में भी भीड की शक्ल में जमा होकर असामाजिक तत्वों के समूह न केवल मनमाने आरोपों का हल्ला मचाकर लोगों की जान ले रहा है बल्कि खास सम्प्रदाय में उन्माद फैलाकर काफिरों को नस्तनाबूत करने के लिए उकसाता भी है। साइबर युग में संचार साधनों का उपयोग करके आतंक को पनाह देने वाले देश फर्जी पोस्ट डालकर मजहब की दुहाई दे रहे हैं ताकि अमन, चैन और खुशहाली को दफन किया जा सके। राजस्थान के उदयपुर का मामला हो या फिर बंगलादेश के उत्सव मण्डल की जिन्दगी का सवाल। अमेरिका में कट्टरपंथियों की भीड का हिंसक होना हो या फिर ब्रिटेन में कानून तोडने की घटनायें। लाल सागर में समुद्री लुटेरों का लहू डूबा करतब हो या फिर इजराइल में इस्लामी हमला। समूची दुनिया में आतंक की इबारत तले जबरन गुलाम बनाने की सियासत चल रही है। असामाजिक तत्वों की जमातों व्दारा मजहब के नाम पर दुनिया भर में नफरत की आंधियां चलाई जा रहीं हैं। फिलिस्तीन में वहां के लोग मासूम जान की कीमत पर भी हमास को सुरक्षित कर रहे हैं। इजराइल से अपहरित करके लाये गये वहां के नागरिकों में से अधिकांश के शव बरामद हो चुके हैं। बाकी के जिन्दा होने के कोई भी सबूत न मिलने के बाद भी उम्मीद की रोशनी में ब्लैकमेलिंग चल रही है। ऐसा ही हाल बंगलादेश में हिन्दू आबादी के साथ हो रहा है। समूची दुनिया में सिरफिरे अपराधियों ने भीड की शक्ल अख्तियार कर ली है जो लोगों पर अपने पैगम्बर साहब पर टिप्पणी करने, ईश निन्दा करने, कुरान का अपमान करने, इस्लाम की खिलाफियत करने जैसे मनगढन्त आरोप लगाकर सरेआम कत्लेआम मचा रही है। बंगलादेश की सरकार के नुमाइन्दे तो ऐसे लोगों की खुलकर तरफदारी करने, उन्हें पूरे जोरशोर से बचाने तथा जुल्म की घटनाओं को बढावा देने का काम कर रहे हैं। दूसरी ओर पडोसी की तर्ज पर ही देश के अन्दर मनमानी करने वाले वक्फ बोर्ड ने देश की राजधानी में ही 246 सरकारी सम्पत्तियों पर दावा ठोक दिया है। इस पर तीन मंत्रालयों के अधिकारियों व्दारा संयुक्त समिति के समक्ष वस्तुस्थिति स्पष्ट की तो विपक्षी सदस्यों ने स्पष्टीकरण देने वालों पर ही मनमाने प्रश्नों की बौछार कर दी। इतिहास गवाह है कि ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1911-12 में दिल्ली की नई राजधानी बनाने हेतु भूमि अधिग्रहीत की गई थी जिसे स्वाधीनता के बाद दिल्ली वक्फ बोर्ड ने अधिग्रहीत सम्पत्तियों में से कई को वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दी थी। वर्तमान में 108 सम्पत्तियां भूमि एवं विकास कार्यालय तथा 138 सम्पत्तियां दिल्ली विकास प्राधिकरण के पास होने के बाद भी उन पर वक्फ बोर्ड अपना स्वामित्व निरूपित किये है। मालूम हो कि राष्ट्रीय राजधानी के निर्माण हेतु कुल 341 वर्ग किलोमीटर भूमि का अधिग्रहण किया गया था। उससे प्रभावित लोगों को उचित मुआवजे का भुगतान भी किया जा चुका था परन्तु वक्फ बोर्ड अपने असीमित अधिकारों का उपयोग करके निरंतर मनमानियां कर रहा है। कट्टरपंथियों व्दारा फैलाये जाने वाला आतंक जहां देश में अराजकता का वातावरण निर्मित कर रहा है वहीं दुनिया भर में हिजबुल्लाह, हूती, हमास, अलकायदा, आईएसआईएस जैसे संगठन तो निरंतर खूनी होली खेल रहे हैं। तिस पर हथियारों के सौदागरों ने पत्ते पर कुलाट खाने की अपनी आदत में इजाफा करके अब हवा में ही कुलाट खाना शुरू कर दिया है। दो देशों को आपस में लडाना, असुरक्षा का वातावरण निर्मित करना, वैमनुष्यता फैलाना तथा पर्दे के पीछे से विष पौध रोपित जैसे कृत्यों में लिप्त स्वार्थी देशों को केवल और केवल चिन्ता है तो अपने हथियारों की बिक्री, उनकी मरम्मत और रखरखाव के नाम पर धन बटोरने की। ऐसे में जेहाद का नाम लेकर पवित्र ग्रन्थ की मनमानी व्याख्यायें करने वाले कथित जानकार वास्तव में हथियार सप्लाई करने वालों के खास सिपाहसालार बनकर क्रास एजेन्ट का बखूबी काम कर रहे हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि बंगलादेश के कथित आंदोलनकारियों ने विदेश में जाकर अमेरिकन एजेन्ट्स तथा पाकिस्तान के खुफिया तंत्र मुलाकातें की थी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 12 अक्टूबर, 2024

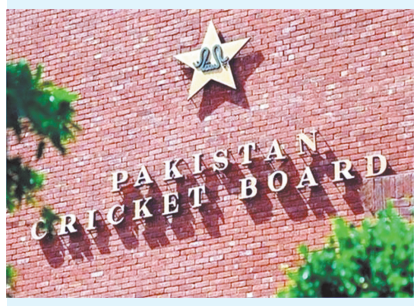

इंग्लैंड से हार के बाद पीसीबी चयन समिति में बड़ा बदलाव

पूर्व क्रिकेटर और अंपायर समिति में शामिल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड के हाथों मुल्तान में पहले टेस्ट में टीम की शर्मनाक हार के बाद राष्ट्रीय चयन समिति बदल डाली है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को एक पारी और 47 रन से हराया। पीसीबी ने पूर्व टेस्ट क्रिकेटर अकीब जावेद, अजहर अली, टेस्ट अंपायर अलीम दार और विश्लेषक हसन चीमा को समिति में शामिल किया है। पूर्व टेस्ट बल्लेबाज असद शफीक समिति में पहले ही से हैं जो मुहम्मद युसूफ के इस्तीफे के बाद शामिल किये गए थे।

पीसीबी ने कहा कि सभी सदस्यों को मतदान का अधिकार होगा लेकिन यह नहीं बताया कि मुख्य कोचों गैरी कर्स्टन और जैसन गिलेस्पी को भी क्या समिति में मत देने का अधिकार होगा।

भारतीय पुरुष टीम ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम बृहस्पतिवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीनी ताइपे से 0-3 से हार गई जिससे उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम ने बुधवार को इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था जो 1972 से शुरू हुई इस चैम्पियनशिप के इस वर्ग में देश का पहला पदक है।

विश्व रैंकिंग में 42वें नंबर पर काबिज दिग्गज अचंता शरत कमल को दुनिया के सातवें नंबर के प्रतिद्वंद्वी लिन युन जू से कड़ी चुनौती मिली और वह 11-7, 12-10, 11-9 से पराजित हो गए। इसके बाद मानव ठक्कर को दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग-जुई से शिकस्त झेलनी पड़ी। चीनी ताइपे के इस खिलाड़ी ने ठक्कर को 11-9, 8-11, 11-3, 13-11 से हरा दिया। भारतीय टीम 0-2 से पिछड़ रही थी।

तीसरे मैच में हरमीत देसाई को भी निराशा का सामना करना पड़ा जो हुआंग यान-चेंग से 6-11, 9-11, 7-11 से हार गये। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हार के बावजूद भारतीय पुरुष टीम गर्व महसूस कर सकती है क्योंकि इस प्रतिष्ठित एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। पुरुष और महिला टीमों ने शानदार जज्बा और दृढ़ संकल्प दिखाया जिससे पता चलता है कि कि भारत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस में लगातार आगे बढ़ रहा है।

भारत-बांग्लादेश टी-20

आज क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत

हैदराबाद (एजेंसी)। पहले दो मैच में आसान जीत दर्ज करके श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप के इरादे से मैदान पर उतरगी जिसमें उसके सलामी बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर निगाह टिकी रहेगी।

भारत ने अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को विश्राम देकर इस टी20 श्रृंखला में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर पूरी तरह से अमल करके जीत का जज्बा दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ ही कुछ दिन पहले कानपुर में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से परिणाम हासिल करने के लिए आक्रामक क्रिकेट खेली उससे टीम के नए दृष्टिकोण का पता चलता है।

भारत ने दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 2-0 से जीती थी और अब वह टी20 श्रृंखला में भी 3-0 से जीत दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी जैसी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए टीम प्रबंधन कुछ अच्छे विकल्प तैयार करने पर भी ध्यान दे रहा है। फिर चाहे वह तेज गेंदबाज मयंक यादव हों या स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, गंभीर उनके प्रदर्शन पर करीबी नजर रखे हुए हैं और इन खिलाड़ियों ने भी अभी तक अपने मुख्य कोच को निराश नहीं किया है।

मयंक आईपीएल 2024 के बाद चोटिल होने के कारण अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस श्रृंखला में उन्होंने 150 किलोमीटर की रफ्तार से गेंदबाजी करके अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश किया है। चक्रवर्ती ने ग्वालियर में पहले मैच में तीन विकेट लेकर तीन साल के बाद राष्ट्रीय टीम में सफल वापसी की है।

टीम प्रबंधन ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी करीबी नजर रखेगा जिन्होंने दिल्ली में दूसरे टी20 मैच में 34 गेंद पर 74 रन की धमाकेदार पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी लिए। इन सकारात्मक पहलुओं के बीच संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी का प्रदर्शन टीम के लिए चिंता का विषय होगा। सैमसन को पारी शुरू करने का मौका दिया गया लेकिन केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक इसका फायदा नहीं उठा पाया है। उन्होंने पहले मैच में 29 और दूसरे मैच में 10 रन बनाए। सैमसन को अगर यहां मौका मिलता है तो उन्हें उसे हर हाल में भुनाना होगा क्योंकि टीम प्रबंधन टीम में शामिल दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी मौका दे सकता है। टीम प्रबंधन को दूसरे सलामी बल्लेबाज अभिषेक से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो अभी तक पहले दो मैच में 15 और 16 रन ही बना पाए हैं। इसके अलावा भारतीय टीम प्रबंधन लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और ऑलराउंडर हर्षित राणा को भी मौका देने पर विचार कर सकता है।

जहां तक बांग्लादेश का सवाल है जो उसे अभी तक बल्लेबाजों ने काफी निराश किया है। उसे अगर वर्तमान दौरे में अपनी एकमात्र जीत हासिल करनी है तो कप्तान नजमुल हुसैन शंटो और लिटन दास जैसे सीनियर बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (c), नितीश कुमार रेड्डी, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव

बांग्लादेश - लिटन दास (विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शोरफुल इस्लाम

कब और कहां होगा मैच

तारीख -12 अक्तूबर
समय- शाम 7 बजे।
स्थान - राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद

पाकिस्तान के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

इंग्लैंड ने पारी और 47 रन से हराया

मुल्तान (एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है। बांग्लादेश से घरेलू सीरीज हारने के बाद अब उसे इंग्लैंड से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि मुल्तान में उसे पारी और 47 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह टेस्ट क्रिकेट में ऐतिहासिक रूप से सबसे खराब प्रदर्शन था, क्योंकि पाकिस्तान पहली पारी में 500 से अधिक रन बनाने के बाद पारी से हारने वाली पहली टीम बन गई।

इस हार के साथ ही पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट में लगातार छह मैचों में हार का सिलसिला जारी है और नौ टेस्ट मैचों में उसकी सातवीं घरेलू हार है, जो उसके चल रहे संघर्ष को उजागर करती है। यह टेस्ट इतिहास का दूसरा ऐसा मैच था, जिसमें दोनों टीमों के 550 से अधिक रन बनाने के बावजूद परिणाम नहीं निकला। दूसरा टेस्ट 2022 रावलपिंडी टेस्ट था, जो पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच ही हुआ था। इसके विपरीत 550 से अधिक स्कोर वाले पिछले सभी 15 टेस्ट ड्रॉ रहे थे। मुल्तान में तीन पारियों में 4.51 रन की दर 2,000 गेंदों से अधिक चलने वाले टेस्ट मैच के लिए दूसरी सबसे अधिक है, जिसे इन दोनों टीमों के बीच 2022 रावलपिंडी टेस्ट में केवल 4.54 की दर से पार किया गया है।

पाकिस्तान ने 150 ओवर फेंके जिसमें केवल एक मेडन दिया, जिसने एक टेस्ट पारी में केवल एक मेडन के साथ सबसे अधिक ओवर फेंकने का नया रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड 1939 में डरबन में इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका द्वारा 709 गेंदों (88.5 आठ-गेंद ओवर) में बनाया गया था। पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड पहले टेस्ट मैच के रिकॉर्ड्स पर एक नजर

टेस्ट मैचों में एक पारी में हार के बाद सबसे ज्यादा टीम स्कोर

556 - पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड, मुल्तान, 2024 (इन और 47 रन)*
492 - आयरलैंड बनाम श्रीलंका, गॉल, 2023 (इन और 10 रन)
477 - इंग्लैंड बनाम भारत, चेन्नई, 2016 (इन और 75 रन)
463 - वेस्टइंडीज बनाम भारत, कोलकाता, 2011 (इन और 15 रन)
459 - भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, सेंचुरियन, 2010 (इन और 25 रन)

पहले बल्लेबाजी करते हुए हार के बाद सबसे ज्यादा स्कोर

595/8 - बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, वेलिंगटन, 2017
586 - ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, सिडनी, 1894
556 - ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, एडिलेड, 2003
556 - पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड, मुल्तान, 2024*
553 - न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड, नॉटिंघम, 2022

हार के बाद टेस्ट पारी में सबसे ज्यादा शतक

3 - श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलंबो, 1992
3 - पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड, रावलपिंडी, 2022
3 - पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड, मुल्तान, 2024*

पहली पारी में 500 से ज्यादा रन बनाने के बाद सबसे ज्यादा हार

5 - पाकिस्तान*
3 - ऑस्ट्रेलिया
2 - इंग्लैंड
2 - न्यूज़ीलैंड
2 - बांग्लादेश

टेस्ट की पहली पारी में 500 से ज़्यादा रन देने के बावजूद इंग्लैंड की यह 9वीं जीत है (तीन बाज़बॉल युग में आई हैं)। दूसरी सबसे ज़्यादा जीत ऑस्ट्रेलिया के नाम है जिसने छह जीत दर्ज की हैं।

टेस्ट मैचों में पाकिस्तान की घरेलू मैदान पर सबसे बड़ी हार

1959 में लाहौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी और 156 रन
2004 में रावलपिंडी में भारत के खिलाफ पारी और 131 रन
2008 में रावलपिंडी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पारी और 99 रन
2004 में मुल्तान में भारत के खिलाफ पारी और 52 रन
2004 में मुल्तान में इंग्लैंड के खिलाफ पारी और 47 रन
2024* में इंग्लैंड की एशिया में पारी से टेस्ट जीत
2076 में दिल्ली में भारत के खिलाफ पारी और 25 रन
2024* में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ पारी और 47 रन

पाकिस्तान की घरेलू मैदान पर सबसे लंबी हार का सिलसिला

11 - मार्च 2022 - जारी (7 हारे, 4 ड्रॉ)*
11 - फरवरी 1969 से मार्च 1975 (1 हारे, 10 ड्रॉ)
8 - मार्च 1959 - अक्टूबर 1964 (4 हारे, 4 ड्रा)
8 - अक्टूबर 1998 - मार्च 2000 (4 हारे, 4 ड्रा)

इंग्लैंड की शानदार 823/7 घोषित पारी हैरी ब्रूक के तिहरे शतक और जो रूट के करियर के सर्वश्रेष्ठ 262 रनों की बदौलत आई, जिससे पाकिस्तान की दूसरी पारी 220 रनों पर सिमट गई और इंग्लैंड की प्रमुख जीत सुनिश्चित हो गई। मैच के बाद पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने कहा, %हमने तीसरी पारी या चौथी पारी के बारे में बात की है, लेकिन अंत में यह एक टीम गेम है। एक टीम के तौर पर हर चीज के अपने फायदे या नुकसान होते हैं।

वीनू मांकड़ ट्रॉफी

राजस्थान ने वनडे में ठोके 499 रन, दो बल्लेबाजों के दोहरे शतक

नईदिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के सेंट स्टीफंस क्रिकेट मैदान पर वीनू मांकड़ वन-डे ट्रॉफी में बड़ा रिकॉर्ड बना है। राजस्थान की टीम ने अंतिम लीग मैच में अरुणाचल के खिलाफ तीन विकेट खोकर 499 रन बना दिए। इस दौरान राजस्थान के दो बल्लेबाज कार्तिक शर्मा और मोहम्मद अनस दोहरा शतक लगाने में कामयाब रहा। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरुणाचल की टीम 43.3 ओवर में 161 रन पर ढेर हो गई। इस तरह राजस्थान ने 338 रन की शानदार जीत दर्ज की। राजस्थान ने पिछले सीजन में मेघालय के खिलाफ महाराष्ट्र द्वारा बनाए गए 466 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया।

राजस्थान के कप्तान कार्तिक शर्मा ने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया और नाबाद 225 रन बनाए। उन्होंने विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद अनस के साथ तीसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 484 रनों की साझेदारी भी की। अनस ने आखिरी ओवर में आउट होने से पहले 247 रनों की तूफानी पारी खेली। यह वीनू मांकड़ ट्रॉफी के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी।हैरानी की बात यह है कि जब मैच शुरू हुआ तो बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान का स्कोर दूसरे ओवर में 2 विकेट पर 9 रन था। लेकिन इसके बाद कार्तिक और अनस ने चौके छक्के लगाने शुरू कर दिए। कार्तिक ने 131 गेंदों पर नाबाद 225 रन बनाए। उन्होंने विकेट पर 216 मिनट तक रहने के दौरान 22 चौके और 12 छक्के लगाए। वहीं, अनस के बल्ले से भी 12 छक्के निकले। उन्होंने 161 गेंदों में 247 रन की पारी खेली जिसमें 25 चौके भी शामिल थे। कार्तिक और अनस की जोड़ी ने मिलकर 211 मिनट में केवल 288 गेंदों पर 484 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। कार्तिक और अनस के दोहरे शतकों की बदौलत राजस्थान के बल्लेबाजों ने अब तक वीनू मांकड़ ट्रॉफी के इतिहास में कुल छह में से 4 दोहरे शतक लगाए हैं। लगभग एक दशक पहले आदित्य गढ़वाल ने एक ही सीजन में दो दोहरे शतक लगाए थे।

भारत दौरे से पहले बोले टॉम लाथम

हम निर्भीक होकर खेलेंगे और उन पर हावी रहने की कोशिश करेंगे

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के नवनियुक्त टेस्ट कप्तान टॉम लाथम का मानना ??है कि अपनी धरती पर अजेय रहे भारत को अगर कड़ी चुनौती देनी है तो उसका एकमात्र तरीका निर्भीक होकर खेलना है। लाथम को भारत के खिलाफ 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला से पहले टिम साउदी की जगह न्यूजीलैंड का टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया।

लाथम ने शुक्रवार को टीम के भारत रवाना होने से पहले कहा, 'भारत का दौरा करना हमेशा रोमांचक और चुनौतीपूर्ण होता है। उम्मीद है कि हम वहां कुछ हद तक स्वच्छंद और निर्भीक होकर खेलेंगे और उन पर हावी रहने की कोशिश करेंगे। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमारे पास जीत का अच्छा मौका होगा।%

भारत ने जहां अपनी धरती पर लगातार 18 टेस्ट श्रृंखलाएं जीती हैं वहीं न्यूजीलैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के वर्तमान चक्र में लगातार चार श्रृंखला हारने के बाद यहां आ रहा है। न्यूजीलैंड ने भारत में अभी तक केवल दो टेस्ट मैच जीते हैं। इनमें से उसने आखिरी जीत 1988 में हासिल की थी। लाथम ने कहा, 'हमने देखा है कि भारत में अतीत में जिन टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया है उन्होंने आक्रामक खेल दिखाकर ऐसा किया। विशेष कर बल्लेबाजी में रक्षात्मक की जगह आक्रामक क्रिकेट खेलना महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने कहा, 'हमें वहां पहुंचने के बाद तय करना होगा कि हमें किस तरह की क्रिकेट खेलनी है लेकिन हमारे खिलाड़ियों के पास चुनौती पेश करने के लिए अपनी रणनीति है और उम्मीद है कि वे उस पर अच्छी तरह से अमल करेंगे। न्यूजीलैंड को हाल में श्रीलंका दौरे में दोनों टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था लेकिन बाएं हाथ के बल्लेबाज लाथम ने कहा कि इस श्रृंखला में उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू भी रहे। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका में हमने वास्तव में कुछ अच्छा प्रदर्शन भी किया। भले ही परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहा लेकिन हमने कुछ अच्छी चीजें की। बल्लेबाजी में एक पारी को छोड़कर हमने बाकी पारियों में अच्छा प्रदर्शन किया।

साउदी पिछले कुछ समय से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन लाथम ने उनका पूरा समर्थन किया। लाथम ने कहा, 'हमने जब पिछली बार भारत का दौरा किया था तो उन्होंने बेंगलुरु टेस्ट मैच में सात विकेट लिए थे। हमें पूरा विश्वास है कि वह फॉर्म में वापसी करेंगे। वह पिछले कई वर्षों से हमारे लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और यही वजह है कि वह न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच बेंगलुरु, दूसरा मैच पुणे और तीसरा मैच मुंबई में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो सकते कैमरून ग्रीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन पीठ की सर्जरी के कारण 22 नवंबर से पर्थ में भारत के खिलाफ शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। ग्रीन को पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिसके कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग नहीं ले पाए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑलराउंडर ने गुरुवार देर रात ऑस्ट्रेलियाई टीम के अधिकारियों से अपने विकल्पों पर चर्चा की और कई दिनों के परामर्श और विश्लेषण के बाद उन्हें सर्जरी या पुनर्वास में से एक विकल्प दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया, ग्रीन आने वाले दिनों में यह तय करेंगे कि उन्हें अपनी रीढ़ की हड्डी पर वैसी ही चिकित्सा प्रक्रिया करवानी है या नहीं, जैसी कि तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन, जेसन बेहरेनडॉर्फ और बेन ड्वार्शिस ने पहले करवाई है। क्राइस्टचर्च के अग्रणी सर्जन ग्राहम इंगलिस और रोवन शाउटन द्वारा किया गया कि यह ऑपरेशन ग्रीन को कई महीनों तक खेलने से रोकेगा क्योंकि इसमें कशेरुकाओं को एक साथ बांधने के लिए स्क्रू और टाइटेनियम तार का इस्तेमाल किया जाता है।

2020 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले ग्रीन मार्च में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद 174 रनों की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। 28 टेस्ट में ग्रीन का बल्लेबाजी औसत 48.57 है, इसके अलावा उन्होंने 35 विकेट भी लिए हैं।

उनकी अनुपस्थिति में मिशेल मार्श को गेंदबाजी का कार्यभार संभालना पड़ सकता है, जबकि स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए वापस आ सकते हैं। मार्कस हैरिस, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, मैथ्यू रेनशॉ, निक मैडिनसन या किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भी उस्मान ख्वाजा के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

मध्य प्रदेश के माधवेन्द्र और केरल की दिवी बने राष्ट्रीय अंडर 11 शतरंज विजेता

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत की 37वीं राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप का समापन आज यहाँ जीएमसी इंडोर स्टेडियम में सम्पन्न हुआ जिसमें मध्य प्रदेश के माधवेन्द्र प्रताप शर्मा नें बालक और वर्ग और केरला की दिवी बीजेश नें बालिका वर्ग का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर लिया । बालक वर्ग में दूसरे वरीय खिलाड़ी माधवेन्द्र नें कुल खेले गए 11 राउंड में 10 अंक बनाते हुए राष्ट्रीय स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया , इस दौरान उन्होने पहले लगातार 9 मुक़ाबले जीते और उसके बाद अंतिम दो मुक़ाबले ड्रॉ खेलेते हुए अपना दूसरा राष्ट्रीय खिताब अपने नाम कर लिया , माधवेन्द्र नें इससे पहले 2022 में राष्ट्रीय अंडर 9 का खिताब भी अपने नाम किया था और अगले ही वर्ष 2023 में एशियन अंडर 10 स्पर्धा का खिताब भी अपने नाम किया था । इसी वर्ष सम्पन्न हुई नेशनल अंडर 19 स्पर्धा में भी उन्होने चौंथा स्थान हासिल करते हुए सभी को बेहद प्रभावित किया था ।

हैदराबाद टी20 से डैब्यू कर सकते हैं हर्षित राणा आईपीएल में है गजब आंकड़े

नईदिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्टीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम मैच के दौरान टी20ई प्रारूप में भारत के लिए नई दिल्ली के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पदार्पण कर सकते हैं। पिछले कुछ सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नाम कमाने के बाद, उन्हें लंबे समय तक भारतीय प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने की उम्मीद है।

भारतीय टीम इसी साल कैरेबियन मुल्कों में टी20 विश्व कप 2024 जीतकर आई थी। इसके बाद जिमबाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्हें राष्ट्रीय टीम में चुन लिया गया था। भारत ने यह सीरीज 4-1 से जीती थी लेकिन वहां राणा का डैब्यू करने का मौका नहीं मिला था। लेकिन अब, जब भारत बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है, तो टीम प्रबंधन के पास बेंच पर मौजूद खिलाड़ियों को प्लेइंग इलेवन में मौका देने का विकल्प होगा। मााना जा रहा है कि हर्षित राणा को हैदराबाद में होने वाले मुकाबले में भारतीय प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है।

घरेलू और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अपने 25 टी20 मैचों में हर्षित राणा ने 8.94 की इकॉनमी से 28 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आईपीएल में पदार्पण किया था। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईपीएल में 21 मैच खेले हैं, जिसमें 9.05 की इकॉनमी से 25 विकेट लिए हैं। उन्होंने 2024 सीजन में अपनी टीम को खिताब भी दिलाया। भारतीय प्रबंधन ने हाल के दिनों में हर्षित राणा में निवेश किया है, ऐसे में कोचिंग स्टाफ के अलावा प्रशंसकों को भी उनसे परिणाम की उम्मीदें होंगी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | @Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

वो लग्जरी नहीं मांग रहे, आईएमए ने ममता को लिखा लेटर, डॉक्टरों के आमरण अनशन को समर्थन

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। ममता सरकार के खिलाफ चल रही इस भूख हड़ताल को करीब एक हफ्ते हो चुके हैं। अब इंडियन मेडिकल एसोसिशन (आईएमए) ने इसको लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा है। इस पत्र में आईएमए ने जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल को समर्थन दिया है। साथ ही ममता सरकार से मांग की है कि वह इन मांगों पर तत्काल ध्यान दें। आईएमए ने यह भी कहा है कि इस मामले को जल्द से जल्द सुलझा लेना चाहिए। गौरतलब है कि कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आमरण अनशन पर बैठे डॉक्टरों में से एक ही हालत गुरुवार को बिगड़ गई थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को संबोधित पत्र में आईएमए ने लिखा है कि जूनियर डॉक्टरों के आमरण अनशन को एक हफ्ते होने जा रहे हैं। इन लोगों की मांग पर तत्काल ध्यान दिए जाने और उस पर ऐक्शन लिए जाने की जरूरत है। पत्र में आगे लिखा है कि पश्चिम बंगाल सरकार डॉक्टरों की सभी मांगों को पूरा करने में पूरी तरह से सक्षम है। बता दें कि कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या की घटना के विरोध में जूनियर डॉक्टर्स आमरण अनशन पर हैं। आईएमए ने अपने पत्र में लिखा है कि शांतिपूर्ण वातावरण और सुरक्षा कोई लग्जरी नहीं है। आगे लिखा गया है कि हम आपसे अपील करते हैं कि युवा डॉक्टरों के साथ इस मामले को बड़ों की तरह और सरकार के प्रमुख के तौर पर जल्द से जल्द सुलझाया जाए। भारत की संपूर्ण मेडिकल फैटर्निटी इस बात को लेकर परेशान है और भरोसा करती है कि आप उनकी जिंदगी बचा सकते हैं। आईएमए ने लिखा है कि अगर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन इस मामले में कोई सहयोग कर पाए तो हमें बेहद खुशी होगी। इस बीच राज्य स्वास्थ्य विभाग ने चार विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम को एस्प्लेनेड क्षेत्र में उस स्थल पर भेजा था, जहां चिकित्सक अनशन पर बैठे हैं। इसका मकसद पिछले पांच दिनों से भूख हड़ताल कर रहे सात चिकित्सकों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर में चार निर्दलीय विधायकों ने किया नेशनल कॉन्फ्रेंस को सपोर्ट

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीतकर आए सात निर्दलीय विधायकों में से चार ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके बाद उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने बिना कांग्रेस की मदद के बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है। हालांकि, कांग्रेस गठबंधन का हिस्सा है और सरकार में भी शामिल रहेगी। केंद्र शासित प्रदेश में बहुमत का आंकड़ा 46 है। जम्मू-कश्मीर के नतीजों में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को 48 सीटें मिली थीं। इसमें से नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42, कांग्रेस को छह सीटें थीं। अब चार विधायकों के साथ आने के बाद एनसी को अकेले दम पर बहुमत मिल गया है। वहीं, बीजेपी ने जम्मू रीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए जम्मू कश्मीर में 29 सीटें हासिल कीं। पीडीपी को तीन और जेपीसी को एक सीट पर विजयी मिली। वहीं, सात निर्दलीय विधायक चुनकर आए हैं। इसके अलावा, एक विधायक आम आदमी पार्टी का भी बना है। चार निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा चंब (जम्मू), रामेश्वर सिंह बानी (कठुआ) और एनसी के दो बागी प्यारे लाल शर्मा इंदरवाल (किश्तवाड़) और चौधरी अकरम सुरनकोट (पुंछ) जिले से एनसी विधायकों की बैठक में मौजूद थे। लाल चौक निर्वाचन क्षेत्र से जीतने वाले एनसी नेता अहसान परदेसी ने कहा, जम्मू के चार निर्दलीय विधायक बैठक के दौरान मौजूद थे।

जम्मू-कश्मीर में 84 फीसदी विधायक करोड़पति, सबसे गरीब आप तो सबसे अमीर कांग्रेस

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने मिलकर बहुमत पार कर लिया। 90 विधानसभा सीटों वाले केंद्रशासित प्रदेश में दोनों दलों ने कुल 48 सीटें (एनसी के 42 और कांग्रेस के 6) जीतीं। एनसी नेता उमर अब्दुल्ला की अगुवाई में नई सरकार का गठन भी होने वाला है। 'एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) ने बताया है कि नवनिर्वाचित 84 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं और उनकी औसत घोषित संपत्ति 11.43 करोड़ रुपये है। नवनिर्वाचित करोड़पति विधायकों की संख्या 2014 की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। छह कांग्रेस विधायकों की औसत कुल संपत्ति 30 करोड़ रुपये से कुछ अधिक है, जबकि 29 भाजपा विधायकों की औसत कुल संपत्ति 14.55 करोड़ रुपये है।

आंकड़ों के अनुसार, विधायकों की औसत घोषित संपत्ति एक दशक पहले की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हो गई है। औसत घोषित संपत्ति एक दशक पहले 4.56 करोड़ रुपये थी। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र राणा 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सबसे अमीर विधायकों में शामिल हैं। 'सेंट्रल शाल्टेंग' सीट से निर्वाचित कर्रा ने 148 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है और वह जम्मू-कश्मीर के सबसे अमीर विधायक हैं। नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र से जीतने वाले भाजपा नेता देवेंद्र राणा 126 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

एडीआर के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में नवनिर्वाचित 90 विधायकों में से 76 ने एक करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है जबकि 2014 में 87 विधायकों में से केवल 65 (75 प्रतिशत) ही करोड़पति थे। व्यवसायी एवं चंपोरा से नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायक मुश्ताक अहमद गुरु 94 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे अमीर विधायक हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) के मेहराज मलिक जम्मू-कश्मीर के सबसे कम संपत्ति वाले विधायक हैं, जिनकी कुल संपत्ति सिर्फ 29,070 रुपये है। वह जम्मू-कश्मीर में 'आप' के पहले विधायक हैं। सबसे कम संपत्ति के मामले में करनाह से एनसी के विधायक जावेद अहमद मिरचल तीन लाख रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं और उनके पार्टी सहयोगी और कोकरनाग से विधायक जफर अली खटाना 34 लाख रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। एडीआर के आंकड़ों के अनुसार, छह कांग्रेस विधायकों की औसत कुल संपत्ति 30 करोड़ रुपये से कुछ अधिक है, जबकि 29 भाजपा विधायकों की औसत कुल संपत्ति 14.55 करोड़ रुपये है। एनसी के 42 विधायकों की औसत संपत्ति 8.47 करोड़ रुपये है, तीन पीडीपी सदस्यों की औसत संपत्ति 4.25 करोड़ रुपये है और सात निर्दलीय विधायकों की औसत संपत्ति करीब पांच करोड़ रुपये है। एनसी के 88 फीसदी (37) विधायक करोड़पति हैं, जबकि भाजपा के 86 फीसदी (25) विधायकों की संपत्ति करोड़ों में है।

कांग्रेस के सभी छह विधायकों तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एकमात्र विधायक और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के एकमात्र विधायक ने एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। आंकड़ों के अनुसार, 23 विधायकों की संपत्ति 10 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि 26 विधायकों की संपत्ति पांच करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 10 करोड़ रुपये से कम है। एडीआर के आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा 27 विधायक एक करोड़ रुपये से पांच करोड़ रुपये की सीमा में आते हैं, जबकि 14 विधायकों की संपत्ति एक करोड़ रुपये से कम है।

बोम्मई सरकार के दौरान कर्नाटक में हुए 7200 करोड़ के घोटाले? जांच के लिए एसआईटी गठित

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को कोविड-19 महामारी के दौरान दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित 7,200 करोड़ रुपये की घोटाले की जांच के लिए एक एसआईटी के गठन का फैसला किया है। इस समय राज्य में बसवराज बोम्मई के नेतृत्व में भाजपा की सरकार थी। कैबिनेट ने इस दौरान लिए गए प्रशासनिक निर्णयों की समीक्षा करने और कार्रवाई की सिफारिश करने के लिए एक उप-समिति के गठन की घोषणा की है।

आपको बता दें कि हाईकोर्ट के रिटायर जज जॉन माइकल डी कुन्हा के नेतृत्व में एक जांच आयोग द्वारा 31 अगस्त को अंतरिम रिपोर्ट पेश करने के बाद ये फैसले लिए गए हैं। इसमें चिकित्सा उपकरणों और दवाओं की खरीद में 7,223 करोड़ रुपये की अनियमितताओं को उजागर किया गया था। आयोग ने इसमें शामिल कंपनियों से 500 करोड़ रुपये वसूलने और उन्हें ब्लैक लिस्ट में डालने की सिफारिश की है। राज्य के कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा, सरकार पैसे वसूलने के लिए कदम उठाएगी। जबकि एसआईटी घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने जैसे उपाय करेगी, सरकार आगे की कार्रवाई तय करने से पहले आयोग की अंतिम रिपोर्ट और एसआईटी की जांच का इंतजार करेगी। पाटिल ने कहा, ''आयोग ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के चार जोन और राज्य के 31 जिलों से रिपोर्ट मांगी है और उसे अभी तक रिपोर्ट नहीं मिली है। संबंधित विभागों से 55,000 फाइलों का सत्यापन करने के बाद 'आंशिक' रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।'' कैबिनेट के फैसले के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नेतृत्व में सात सदस्यीय कैबिनेट उपसमिति का गठन किया। गृह मंत्री जी परमेश्वर, विधि मंत्री एच के पाटिल, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खरगे, श्रम मंत्री संतोष लाड और चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल समिति के सदस्य हैं।

घर से बुलाकर ले गए, हत्या कर जंगल में फेंकी लाश; गाजियाबाद के 18 साल पुराने केस में आया फैसला

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद में घर से बुलाकर युवक की हत्या करने वाले चार दोषियों को एडीजे-छह (जिला सत्र न्यायालय) की अदालत ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने चारों अभियुक्तों पर 20-20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। साथ ही इस मामले के दो आरोपियों को अदालत ने सबूतों के अभाव में बरी भी कर दिया। यह वारदात गाजियाबाद के लोनी थानाक्षेत्र में लगभग 18 साल पहले हुई थी। जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश चंद्र शर्मा व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुनील कौशिक ने केस की जानकारी देते हुए बताया कि लोनी थानाक्षेत्र के निठौरा गांव में रहने वाला मनोज पिता महिपाल 17 नंबवर 2006 की शाम घर में बैठकर अपने भाई ओम प्रकाश से बात कर रहा था। तभी कार में सवार होकर रघुराज व अन्य आरोपी आए। उन्होंने मनोज से कहा कि तुम्हारा राजेंद्र के साथ समझौता करा देते हैं। इसके बाद वह मनोज को साथ लेकर खेत में चले गए। देर रात तक मनोज घर नहीं लौटा तो परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। अगले दिन मनोज का शव कार में महमूदपुर के जंगल में मिला। मृतक के भाई ओमप्रकाश की शिकायत पर पुलिस ने रघुराज, राजेंद्र, चाहतराम, बिजेंद्र, ऋषि व राकेश को खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने इन सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुख्ता साक्ष्यों व गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने रघुराज, राजेंद्र, चाहतराम, बिजेंद्र को उम्र कैद की सजा सुनाते हुए 20-20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। वहीं साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने ऋषि व राकेश को बरी कर दिया।

महाराष्ट्र में मिशन 40 से गेम पलटने की तैयारी, हरियाणा की तरह होने लगी घेरेबंदी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की एनडीए सरकार ने गुरुवार को दो बड़े फैसले लिए। एक तरफ उसने राज्य अनुसूचित जाति आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का फैसला कर लिया तो वहीं केंद्र सरकार से ओबीसी क्रीमी लेयर की लिमिट बढ़ाकर 15 लाख रुपये तक करने की सिफारिश की है। फिलहाल यह सीमा 8 लाख रुपये की ही है। वहीं एक फैसला केंद्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने लिया है, जिसके तहत महाराष्ट्र की 19 ओबीसी जातियों और उपजातियों को केंद्र की पिछड़ा सूची में शामिल किया गया है। इन जातियों में गुर्जर, लोध, डांगरी, भोयर आदि शामिल हैं।

इन फैसलों से कितनी जातियों को किस तरह से फायदा होगा, यह अलग से अध्ययन का विषय हो सकता है। लेकिन अहम बात यह है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले से चुनावी समीकरण पलट सकते हैं। राज्य में अगले महीने ही इलेक्शन की तैयारी है और अगले सप्ताह कभी भी चुनाव का ऐलान हो सकता है। जानकारों का मानना है कि जिन 19 ओबीसी जातियों

को केंद्रीय सूची में डाला गया है, उनकी संख्या लगभग 30 सीटों पर इतनी है कि वे चुनावी परिणाम बदल सकते हैं। इसी तरह लगभग एक दर्जन ऐसी सीटें हैं, जहां दलित समुदाय के लोगों की इतनी आबादी है कि वे चुनावी रुख बदल सकते हैं।

इन सारे समीकरणों को साधते हुए मिशन 40 का प्लान तैयार किया गया है। भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन को लगता है कि इन फैसलों से वह राज्य के समीकरणों को ही बदलने में सफल हो पाएंगे। इन फैसलों की एक बड़ी वजह राज्य में बीते कई सालों से चल रहा मराठा आंदोलन है। मनोज जारांगे पाटिल के नेतृत्व में कई बार मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन हो चुका है और एक बार फिर से चर्चा तेज है। माना जाता है कि राज्य में मराठाओं की आबादी लगभग 30 फीसदी है। यदि उनका बड़ा हिस्सा सरकार से नाराज होगा तो नुकसान होना तय है।

क्या अब महाराष्ट्र में भी होगा हरियाणा की तरह मराठा और गैर-मराठा

ऐसी स्थिति को भांपते हुए पहले ही भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार वाली एनसीपी अलर्ट हैं। तीनों दल मराठा आंदोलन की काट के लिए ओबीसी, एससी वर्ग को साधना चाहते हैं। इसके अलावा टिकट बंटवारे में मराओं को भी उनकी बहुलता वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता देकर गुस्से को कम करने की कोशिश होगी। यह रणनीति एक तरह से हरियाणा जैसी ही है। वहां भी भाजपा ने जाटों के बीच गुस्से की काट के लिए अन्य ओबीसी जातियों जैसे गुर्जर, कश्यप, सैनी, कुम्हार, सुनार जैसी तमाम जातियों को साधने की कोशिश की थी।

किम जोंग उन ने दोस्त पुतिन की मदद के लिए यूक्रेन में भेजे सैनिक क्रेमलिन ने दिया जवाब

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में कीव पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि कि डोनेट्स्क के पास रूसी कब्जे वाले क्षेत्र में हवाई हमले में करीब 6 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं। रूस की तरफ से इस तरह की किसी भी रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया। इस बात पर उठे सवाल का जवाब देते हुए क्रेमिलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह एक और फर्जी खबर की तरह लगती है। हालांकि उन्होंने इस मामले पर विस्तार के बताने से इनकार कर दिया। इस सप्ताह जारी कीव पोस्ट की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि यूक्रेनी हवाई हमलें में कम से कम 6 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं। इस मामले पर दक्षिण कोरिया के रक्षामंत्री किम योंग ह्यून ने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए और दोनों देशों के संबंधों को देखते हुए यह संभव है कि यूक्रेन के लड़ाई वाले इलाके में उत्तर कोरियाई सैनिक हों। उन्होंने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच सैन्य गठबंधन के समान समझौते हैं इसलिए इस बात की और संभावना बन जाती है कि तानाशाह किम जोंग उन ने अपने मित्र

राष्ट्र की मदद करने के लिए वहां पर सैनिकों की तैनाती का आदेश दे दिया हो। शुरुआती रूप से इस रिपोर्ट पर सवाल खड़े हो रहे थे लेकिन इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता तब और बढ़ गई जब यूक्रेन काउंटिंग डिसइनफॉर्मेशन सेंटर के प्रमुख एंड्री कोवलेंको ने शनिवार को टेलीग्राम पर लिखा कि डोनेटस्क क्षेत्र में उत्तर कोरिया के लड़ाकू इंजीनियरों की उपस्थिति है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच दोस्ती को देखते हुए यह आश्चर्यजनक नहीं है कि उत्तरकोरियाई सैनिकों की उपस्थिति यूक्रेन में हैं। लेकिन अगर यह दावे सही है तो यह पहली बार होगा कि किसी विदेशी सरकार में यूक्रेन और रूस युद्ध में अपने सैनिकों को लड़ने के लिए भेजा हो।

इजरायल ने लेबनान और गाजा को एक साथ दहलाया, रिहायशी इलाकों में बमबारी; कम से कम 45 की मौत

गाजा/लेबनान, एजेंसी। इजरायल का लेबनान और गाजा में आतंकियों के ठिकानों पर हमला जारी है। गाजा के एक स्कूल पर बमबारी में इजरायली सेना ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। इसके बाद गुरुवार आधी रात को इजरायली सेना ने मध्य लेबनान के घनी आबादी वाले रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। इस हमले में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 92 से अधिक लोग घायल हो गए। स्थानीय चैनल अल जदीद ने मामले में रिपोर्ट किया है कि हमला इतना भयावह था कि मिसाइल अटैक से कई इमारतें जमींदोज हो गई और इलाके में आग फैल गई। मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। जमींदोज इमारतों के मलबे में जिंदगी की तलाश की जा रही है। उधर, इजरायली सेना ने कहा कि उसने मिसाइल हमले में हिजबुल्लाह के सीनियर लीडर को निशाना बनाया है। मध्य बेरूत के दो अलग-अलग इलाकों में बृहस्पतिवार शाम इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 92 अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों से एक आवासीय इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तथा एक अन्य इमारत पूरी तरह ढह गई। लेबनान की राजधानी में हुए इन हवाई हमलों पर इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने हमलों का दायरा बढ़ा दिया है और वहां जमीनी हमला शुरू कर दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहला हमला रास अल-नबा इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह विस्फोट आठ मंजिला इमारत के निचले हिस्से में हुआ। वहीं, दूसरा हमला बुर्ज अबी हैदर क्षेत्र में हुआ, जहां एक पूरी इमारत ढह गई और आग की लपटों में घिर गई।

हिजबुल्लाह का टॉप कमांडर था निशाने पर: इजरायली मीडिया ने बताया कि हवाई हमले में हिजबुल्लाह की संपर्क और समन्वय इकाई के प्रमुख वाफिक सफा को निशाना बनाया गया। इससे पहले, फिलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर बृहस्पतिवार को इजराइली हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई।

एनाकोंडा रणनीति के सहारे ताइवान पर चीन कस रहा शिंकजा; शी जिनपिंग ने बनाया चंगुल में फंसाने का प्लान

शंघाई, एजेंसी। चीन लंबे समय से ताइवान पर कब्जा जमाना चाह रहा है। मगर उसकी यह ख्वाहिश अभी तक अधूरी है। भारत के खिलाफ स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स की रणनीति बनाने वाले चीन ने अब ताइवान की रणनीतिक घेरेबंदी का खास प्लान तैयार किया है। चीन के इस प्लान को एनाकोंडा स्ट्रैटजी नाम दिया गया है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में ताइवान के नौसेना कमांडर एडमिरल तांग हुआ ने दावा किया कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ताइवान के खिलाफ एनाकोंडा रणनीति का इस्तेमाल कर रही है। पहली बार 1861 से 1865 तक चले अमेरिकी गृह युद्ध में लेफ्टिनेंट जनरल विनफील्ड स्कॉट ने एनाकोंडा रणनीति का इस्तेमाल किया था।

एनाकोंडा स्ट्रैटजी में क्या-क्या शामिल

चीन की एनाकोंडा स्ट्रैटजी में साइबर हमले, मनोवैज्ञानिक रणनीति और सैन्य युद्धाभ्यास को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य ताइवान को घेरना है। इस रणनीति से चीन पहले ताइवान की सुरक्षा को कमजोर करना चाहता है। इसके बाद उसकी ऊर्जा जरूरतों को निशाना बनाएगा। चीन ताइवान के अंदर भी भारी उथल-पुथल मचाने के प्लान पर काम कर रहा है।

यह रणनीति ठीक वैसे काम करती है, जैसे एक एनाकोंडा अपने शिकार पर हमला करता है। एनाकोंडा सबसे पहले अपने शिकार को देखता है। इसके बाद लंबा इंतजार करता है। कहा जाता है कि वह कई घंटो या कई दिनों तक अपने शिकार के इंतजार में एक अवस्था में पड़े रहते हुए इंतजार कर सकता है। जब शिकार उसके करीब पहुंचता है तो बहुत तेजी से हमला करता है। इससे शिकार को बचने तक का मौका नहीं मिलता है। एनाकोंडा अपने शिकार को चारों तरफ से जकड़ लेता है। इसके बाद दम घोट कर उसकी जान ले लेता है। चीन भी ताइवान के खिलाफ इसी रणनीति पर काम कर रहा है। एनाकोंडा अपने शिकार को इतना जकड़ लेता है कि उसके शरीर में

खून का संचार बंद हो जाता है। ताइवान के खिलाफ भी चीन यही प्लान कर रहा। सबसे पहले वह चीन को घेरकर उसकी सप्लाई चेन को बाधित करना चाहता है। इसके बाद ताइवान के अंदर अराजकता फैलाने का प्लान है ताकि ताइवान पूर्ण हमले से पहले ही चीन के आगे घुटने टेक दे। चीन ताइवान पर सीधे हमला करने से बचेगा।

वह ताइवान के खिलाफ साइबर हमला कर सकता है। गलत सूचनाओं के आधार पर अराजकता फैला सकता है। ताइवान की आर्थिक नाकाबंदी करने का प्लान। ताकि घुटनों पर लाया जा सके। ताइवान की घेरेबंदी करके इसका संपर्क दुनिया के अन्य देशों से काट सकता है। अगर चीन ने घेराबंदी की तो ताइवान में ऊर्जा संकट खड़ा हो सकता है। चीन ताइवान के हरित ऊर्जा जैसे सोलर पावर प्लांट आदि को निशाना बना सकता है। ताइवान को चीन हवाई और जलमार्ग दोनों तरफ से घेरने में जुटा है। उसकी सेना ताइवान के करीब पहुंच रही है।

चीन की वायुसेना और नौसेना लगातार घुसपैठ करने की कोशिश करने में जुटी हैं। ताइवान के चारों तरफ चीनी युद्धपोतों और सैनिकों का जमावड़ा है। इसका लक्ष्य यह है कि ताइवान की सेना को युद्ध से पहले ही थका दिया जाए। एडमिरल तांग के मुताबिक ताइवान टकराव से बच रहा है। मगर चीन की कोशिश यह है कि ताइवान को एक गलती करने पर मजबूर करना है। अगर ताइवान ऐसी गलती करता है तो चीन इसी के सहारे नाकेबंदी शुरू कर देगा। ताइवान के आसपास चीनी घुसपैठ दोगुनी हो गई। इसी साल की शुरुआत में 142 चीनी जहाजों की गतिविधि देखी गई। मगर अगस्त में यह आंकड़ा 282 तक पहुंच गया। जनवरी में चीन ने 36 बार हवाई घुसपैठ की। मगर सितंबर में यह आंकड़ा बढ़कर 193 तक पहुंच गया। चीन ने 2024 में ताइवान के करीब 111 विमान और 46 नौसैनिक जहाजों को तैनात किया था। चीन के 82 सैन्य विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को भी पार किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129